mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-01 अंक-62 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़

02 सितम्बर 2025 मंगलवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

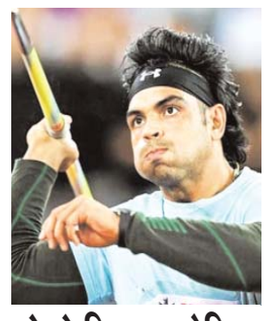

टोयो विश्व एथलेटिक्स

@ पेज 7

मराठा आरक्षण की मांग को लेकर जरांगे का अनशन चौथे दिन भी जारी रहा

कहा- आज से बंद करूंगा पानी पीना

मुंबई,एजेंसी। मुंबई में मराठा आरक्षण को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने कहा कि वह अपने अनशन के चौथे दिन यानी आज से पानी पीना भी बंद कर देंगे। उन्होंने कहा कि वह गोली खाने को भी तैयार हैं, ताकि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में मराठा समुदाय को आरक्षण मिल सके। जरांगे ने सरकार से मांग की कि उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर आरक्षण पर सरकारी आदेश (जीआर) जारी किया जाए।

इससे पहले, महाराष्ट्र सरकार ने रविवार को कहा कि वह मराठा समुदाय के लिए कुनबी जाति की ओबीसी स्थिति को लागू करने पर कानूनी राय लेगी, जिसके लिए हैदराबाद गजटियर का सहारा लिया जाएगा।

सीबीआई से जुड़े 7,072 भ्रष्टाचार के केस अदालतों में पेंडिंग

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की नई एनुअल रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि सीबीआई की जांच से जुड़े 7,072 भ्रष्टाचार के मामले देशभर की विभिन्न अदालतों में पेंडिंग हैं। चिंता का विषय यह है कि कुल पेंडिंग मामलों में से 2,660 मामले 10 साल से ज्यादा पुराने हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें से 379 मामले 20 साल से भी अधिक समय से अटके हुए हैं, जबकि 2,281 मामले 10 से 20 साल के बीच से पेंडिंग हैं। 31 दिसंबर 2024 तक 1,506 मामले 3 साल से कम समय से, 791 मामले 3 से 5 साल के बीच और 2,115 मामले 5 से 10 साल के बीच लंबित थे।सीबीआई और आरोपियों की 13,100 अपीलें तथा संशोधन याचिकाएं हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं। इनमें 606 अपीलें 20 साल से ज्यादा समय से और 1,227 अपीलें 15 से 20 वर्ष के बीच से पेंडिंग हैं।

2024 में दोषसिद्धि 69%, 2023 के मुकाबले 2% कम : 2024 में कुल 644 मामलों का निपटारा हुआ। इनमें 392 मामलों में दोषसिद्धि, 154 में दोषमुक्ति, 21 में आरोपी बरी हुए और 77 मामलों का दूसरें कारणों से निपटारा किया गया।

कश्मीर के पुंछ में घुसपैठ की कोशिश नाकाम

पीओके से आए आतंकियों ने भागने की कोशिश की, सेना ने इलाके की घेराबंदी की

श्रीनगर, एजेंसी। कश्मीर के पुंछ जिले के मेंढर सेक्टर में लाइन ऑफ कंट्रोल (LoC) के पास सोमवार को भारतीय सेना ने आतंकियों की घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी। सेना की यूनिट व्हाइट नाइट कोर ने X पर बताया कि सुबह करीब 5:30 बजे बालाकोट के जनरल एरिया में रुष्ट के पास संदिग्ध गतिविधि देखी गई थी। जवानों ने घुसपैठ की कोशिश को रोकने के लिए तुरंत फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद आतंकियों ने भी ताबड़तोड़ गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद आतंकवादियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। आतंकियों की तलाश की जा रही है। सेना ने बताया कि आतंकी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से देश में घुसने की कोशिश कर रहे थे। घुसपैठ की यह कोशिश ऐसे दिन में हुई, जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पिछले महीने हुई भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ के बाद की स्थिति का आकलन करने के लिए आज ही जम्मू के दौरे पर थे। पुंछ में एक दिन पहले हथियारों के साथ दो आतंकी गिरफ्तार हुए थे इससे पहले जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रविवार को पुंछ जिले के आजमाबाद से दो आतंकियों को गिरफ्तार किया था। उनके पास से हथियार भी मिले थे। आतंकियों की पहचान आजमाबाद के तारिक शेख और चैंबर गांव के रियाज अहमद के रूप में की गई।

एससीओ में आतंकवाद के खिलाफ भारत की बड़ी जीत

पाकिस्तानी पीएम की मौजूदगी में पहलगाम हमले की निंदा

मेंबर देश बोले- आतंकियों को सजा दिलाना जरूरी

बीजिंग, एजेंसी। चीन में SCO समिट के दूसरे दिन भारत को बड़ी सफलता मिली है। घोषणापत्र में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की गई है। इस दौरान पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ भी मौजूद थे। घोषणा पत्र में कहा गया कि इस हमले के अपराधियों, आयोजकों और उन्हें समर्थन देने वालों को सजा दिलाना जरूरी है।

इस साल 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने 26 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। गौरतलब है कि इससे पहले जून में हुई रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान स्छ्ह के घोषणापत्र में पहलगाम हमले का जिक्र भी नहीं था। इसे लेकर भारत ने नाराजगी जताई थी। साथ ही इस पर साइन करने से इनकार कर दिया था।

मोदी बोले- कुछ देशों को आतंकवाद के खुले समर्थन की छूट क्यों : इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन दौरे आखिरी दिन स्छ्ह की बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आतंकवाद को दुनिया के लिए खतरा बताया।

उन्होंने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए इसे आतंकवाद का सबसे बुरा रूप बताया। मोदी ने कहा कि भारत आतंकवाद को पिछले चार दशकों से झेल रहा है।

पीएम ने सवाल उठाया कि कुछ देशों का आतंकवाद को खुला समर्थन कैसे स्वीकार किया जा रहा है।

मोदी बोले- पुतिन का भारत में बेसब्री से इंतजार : पुतिन के साथ द्विपक्षीय बातचीत में मोदी ने कहा कि 140 करोड़ भारतीय इस साल दिसंबर में होने वाले 23वें भारत-रूस शिखर सम्मेलन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुतिन से मुलाकात हमेशा यादगार अनुभव रहती है और दोनों नेताओं को कई मुद्दों पर विचार-विमर्श का अवसर मिलता है।

अफगानिस्तान में आधी रात को 6 तीव्रता का भूकंप

622 मौतें, 1500 से ज्यादा घायल; सोते हुए लोगों को बचने का मौका नहीं मिला

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान में रविवार की आधी रात को 11:47 बजे (स्थानीय समयानुसार) 6 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें अब तक 622 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 1500 से ज्यादा लोग घायल हैं।भूकंप के समय ज्यादातर लोग सो रहे थे, इस वजह से वे इमारतों के मलबे में दब गए। शहर में रातभर झटके महसूस किए गए। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (USGS) के मुताबिक भूकंप 2 लाख की आबादी वाले जलालाबाद शहर से लगभग 17 मील दूर आया। यह राजधानी काबुल से 150 किमी दूर है।

अल जजीरा के मुताबिक भूकंप के झटके पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांत में भी महसूस हुए। वहीं, भारत के गुरुग्राम में भी हल्के झटके महसूस किए गए।

भूकंप के बाद लैंडस्लाइड से सड़कें बंद हुई : NYT की रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा मौतें पड़ोसी कुनार प्रांत में हुई हैं। सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने भी सोशल मीडिया पर लिखा कि भूकंप से देश के कुछ पूर्वी प्रांतों में गंभीर जान-माल का नुकसान हुआ है। हालांकि, उन्होंने ज्यादा डिटेल शेयर नहीं किया है।

यह पहाड़ी इलाका है। इन इलाकों तक पहुंचना बेहद मुश्किल है, जिससे बचाव और राहत कार्यों में दिक्कत आ रही है।

यहां, भूकंप के बाद लैंडस्लाइड हुई, जिससे कई सड़कें बंद हो गई। इन इलाकों में सरकार लोगों को बाहर निकालने के लिए हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल कर रही है।

2023 में 4 हजार लोग मारे गए थे

इससे पहले अफगानिस्तान में 7 अक्टूबर 2023 को विनाशकारी भूकंप आया था। तालिबान सरकार ने इस भूकंप में 4 हजार मौतों का दावा किया था, जबकि संयुक्त राष्ट्र ने 1500 मौतों की पुष्टि की थी। वहीं 2022 में पूर्वी अफगानिस्तान में 5.9 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें लगभग 1 हजार लोग मारे गए थे और हजारों लोग घायल हुए थे। अफगानिस्तान में ताकतवर भूकंपों का इतिहास रहा है। भूकंप के लिहाज से हिंदूकुश पर्वतमाला एक्टिव माना जाती है, जहां हर साल भूकंप आते हैं। अफगानिस्तान, भारत और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट्स के बीच में स्थित है। ये फॉल्ट लाइन अफगानिस्तान के हेरात तक जाती है। प्लेट्स में हलचल होने पर भूकंप आता है।

हिमाचल:6 मकान ढहे, पिता-बेटी समेत 5 की मौत,शिमला में लैंडस्लाइड में दबी गाड़ियां

घर पर गिरी चट्टान, छह जिलों में रेड अलर्ट

शिमला,एजेंसी। हिमाचल में रातभर हुई भारी बारिश से काफी नुकसान हुआ। शिमला के जुन्गा में एक मकान जमींदोज होने से बाप-बेटी की मौत हो गई। वहीं जुब्बल के बढ़ाल गांव में मकान गिरने से 23 साल की युवती की दब गई, जिससे मौत हो गई। कोटखाई में भी मकान ढहने से एक बुजुर्ग महिला कलावती की जान चली गई। सिरमौर के शाईमी में पहाड़ी से बड़ी-बड़ी चट्टानें गिरने से एक मकान गिर गया। इससे भी एक महिला की मौत हो गई। रोहड़ू के दयार मोली गांव में रात में भूस्खलन से घरों को खतरा पैदा होने के बाद 4 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया। हमीरपुर के चबूतरा गांव में भी बीती रात को दो मकान ढह गए। मौसम विभाग ने 6 जिलों

पंजाब :9 जिलों में बाढ़, शाह ने सीएम-राज्यपाल से बात की

लुधियाना में दो मंजिला इमारत गिरी, फाजिल्का में छत से गिरा बुजुर्ग

अमृतसर, एजेंसी। पंजाब के 9 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। इनमें फाजिल्का, फिरोजपुर, कपूरथला, पठानकोट, तरनतारन, होशियारपुर, मोगा, गुरदासपुर और बरनाला शामिल हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अब तक 1312 गांव बाढ़ से प्रभावित हो चुके हैं। इसको लेकर आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और सीएम भगवंत मान से बातचीत की। फोन पर हुई बातचीत के दौरान राज्यपाल और ष्टरूने गृह मंत्री को मौजूदा हालात और बाढ़ प्रभावित लोगों के बचाव व राहत कार्यों के लिए प्रशासन द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी। शाह ने आश्वासन दिया कि बाढ़ से निपटने के लिए हर संभव मदद की जाएगी। आज पंजाब, जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। अगर पहाड़ों में तेज बारिश होगी तो रावी, ब्यास और सतलुज नदी के पानी से और नुकसान हो सकता है। भाखड़ा डैम में जलस्तर खतरे के निशान 1680 फीट से 6 फीट ही कम रह गया है। इसके चलते डैम के फ्लड गेट 4-4 फीट तक खोल दिए गए हैं।

सीएम सरमा बोले- असम में बंगाली भाषी हिंदू सबसे ज्यादा सुरक्षित

सरकार मुद्दे सुलझाने के लिए कर रही काम

सिलचर, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को कहा कि बीते 10 वर्षों में भाजपा के शासनकाल में बंगाली भाषी हिंदू असम में सबसे ज्यादा सहज और सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार इनसे जुड़े सभी मुद्दों को सुलझाने के लिए काम कर रही है। सीएम सरमा ने यह दावा भी किया कि उनकी सरकार बांग्लादेशियों के अवैध प्रवेश की कोशिशों को लगातार नाकाम कर रही है। सीएम सरमा रविवार को सिलचर में एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पहुंचे थे। यहां उन्होंने कार्यक्रम से इतर कहा, हम एक-एक करके बंगाली हिंदुओं की सभी समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। हमने उनका आधार कार्ड वापस दिलवाया। उनके खिलाफ नए नागरिकता मामले दर्ज करना बंद कर दिया है।

इससे पहले किसी भी सरकार ने इतना काम नहीं किया

सीएम सरमा ने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि इससे पहले किसी भी सरकार ने उतना काम किया है, जितना मैं कर रहा हूं। लेकिन हर काम एक प्रक्रिया के तहत होना चाहिए, वरना अदालत उसे रोक देगी। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि बंगाली भाषी हिंदू बीते 10 वर्षों में भाजपा के शासनकाल में सबसे अधिक सहज रहे हैं। मुख्यमंत्री सरमा ने जोर देकर कहा कि अब असमिया और बंगाली भाषी लोगों के बीच कोई विवाद नहीं है।

मुंबई में नए यात्री जेटी के खिलाफ दायर याचिका खारिज

पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण रोकने से भी इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण मुंबई स्थित गेटवे ऑफ इंडिया पर एक नए यात्री जेटी और टर्मिनल के निर्माण के खिलाफ दायर याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। हाई कोर्ट ने 15 जुलाई को गेटवे ऑफ इंडिया के पास महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड (एमएमबी) द्वारा प्रस्तावित 229 करोड़ रुपये की लागत वाली यात्री जेटी और टर्मिनल सुविधा के निर्माण को चुनौती देने वाली तीन याचिकाओं को खारिज कर दिया था। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ लॉरा डी सूजा द्वारा दायर अपील को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह मुद्दा सरकार के नीतिगत अधिकार क्षेत्र में आता है। समुद्र में लगभग 1.5 एकड़ में फैली यह परियोजना, दक्षिण मुंबई में रेडियो क्लब के पास स्थित गेटवे ऑफ इंडिया से लगभग 280 मीटर की दूरी पर होगी। याचिका के अनुसार,

परियोजना योजना में 150 कारों की पार्किंग, वीआईपी लाउंज/प्रतीक्षा क्षेत्र, एम्फीथिएटर और टिकट काउंटर/प्रशासनिक क्षेत्र के साथ-साथ समुद्र में खंभों पर टेनिस रैकेट के आकार का एक विशाल जेटी बनाना शामिल है। यह आरोप लगाया गया था कि इस परियोजना से स्थानीय लोगों को असुविधा होगी क्योंकि योजना में यातायात की समस्या के मुद्दे पर विचार नहीं किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक जनहित याचिका खारिज कर दी, जिसमें देश भर में 20 प्रतिशत इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी-20) की शुरुआत को चुनौती दी गई थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि लाखों वाहन चालकों को एथेनॉल मिश्रित ईंधन के इस्तेमाल के लिए मजबूर किया जा रहा है, जबकि उनके वाहन इसके लिए डिजाइन नहीं हैं। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने अधिवक्ता अक्षय मल्होत्रा द्वारा दायर याचिका में उठाए गए तर्कों को खारिज कर दिया। याचिका में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय को सभी पेट्रोल पंपों पर इथेनॉल-मुक्त पेट्रोल की उपलब्धता भी सुनिश्चित करने के निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिका में दावा किया गया है कि लाखों वाहन चालक पेट्रोल पंपों पर असहाय महसूस कर रहे हैं और उन्हें ऐसा ईंधन खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है जिसे उनके वाहन संभाल नहीं सकते।

चिड़ियाघर में एच5एन1 से हड़कंप, रोजाना दो बार सर्वेक्षण, बढ़ाई गई सख्त निगरानी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की चिड़ियाघर में एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) के फैलने की पुष्टि के बाद प्रशासन और पशु चिकित्सकों में हड़कंप मचा हुआ हैष वायरल से बचाव के लिए सख्त निगरानी और सुरक्षा उपाय बढ़ाए गए हैं। रोजाना दो बार सर्वेक्षण हो रहा है। वहीं बाड़ों, तालाबों, और प्रवासी पक्षियों के भोजन क्षेत्रों की साफ-सफाई और कीटाणु नाशक छिड़काव किया जा रहा है। चिड़ियाघर के कर्मचारी मास्क, दस्ताने, और सुरक्षात्मक कपड़े पहनकर काम कर रहे हैं, और सीसीटीवी से भी निगरानी की जा रही है। आज तक पानी के पक्षियों या प्रवासी पक्षियों में कोई मौत नहीं हुई है। तीन पेंटेड स्टॉर्क और एक ब्लैक-नेक्ड इबिस को इलाज और निगरानी के लिए अलग रखा गया है। अब तक छह पेंटेड स्टॉर्क और दो ब्लैक-नेक्ड इबिस की मौत पानी के बाड़े में हुई। जबकि चार प्रवासी पेंटेड स्टॉर्क तालाबों में मरे। इनमें से दो पेंटेड स्टॉर्क और दो इबिस के नमूने लिए गए हैं।

सुरक्षा के मद्देनजर चिड़ियाघर को पूरी तरह से सील कर दिया गया है और आगंतुकों के प्रवेश पर अनिश्चितकाल के लिए रोक लगा दी गई है। चिड़ियाघर में मौजूदा समय में 1350 से अधिक पशु-पक्षी मौजूद हैं।

प्रशासन ने सभी जानवरों के साथ-साथ हाल ही में जन्मे एक शावक के सैंपल भी जांच के लिए लिए हैं। ये सैंपल भोपाल के राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान भेजे जाएंगे जहां विशेषज्ञ गहन जांच करेंगे। विशेष रूप से शावक को पशु चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है ताकि उसे किसी तरह का खतरा न हो। बर्ड फ्लू के प्रसार को रोकने के लिए चिड़ियाघर प्रशासन ने कई कदम उठाए हैं। कर्मचारियों द्वारा पिंजरों और बाड़ों के आसपास नियमित रूप से कीटाणुनाशक का छिड़काव किया जा रहा है। पशु चिकित्सकों की टीमें 24 घंटे निगरानी कर रही हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यह वायरस पक्षियों से अन्य जानवरों में भी फैल सकता है इसलिए सतर्कता और जांच बेहद जरूरी है। चिड़ियाघर प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जानवरों और आगंतुकों की सुरक्षा उनकी पहली प्राथमिकता है। इस कारण चिड़ियाघर को अगले आदेश तक बंद रखा गया है। लोगों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें। भोपाल से जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि चिड़ियाघर के जानवर और पक्षी पूरी तरह सुरक्षित हैं या नहीं, तब तक प्रशासन और चिकित्सक स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं।

नरेला में 11वीं मंजिल की बालकनी से गिरकर ढाई वर्षीय बच्ची की मौत

दिल्ली, एजेंसी। नरेला इलाके के हिंद अपार्टमेंट की 11वीं मंजिल स्थित बालकनी से गिरकर ढाई साल की बच्ची की मौत हो गई। बच्ची की शिनाख्त मीरा के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में पता चला है कि घटना के समय बच्ची बालकनी के पास अपने भाई के साथ खेल रही थी। इस दौरान वह रेलिंग पर चढ़ गई और अचानक नीचे गिर गई। लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। जानकारी के मुताबिक मीरा अपने पिता उमेंद्र कुमार, मां आरती दो भाइयों 12 साल के आर्यन और 10 साल के प्रिंस के साथ हिंद अपार्टमेंट की 11 वीं मंजिल पर फ्लैट में रहती थी। मूलत- उत्तर प्रदेश के एटा मैनपुरी के रहने वाले उमेंद्र रिक्शा चलाते हैं। उनकी पत्नी सोनीपत के कुंडली में एक फैक्टरी में काम करती हैं। आरती ने बताया कि रोजाना की तरह शनिवार की सुबह वह और उनके पति अपने काम गए थे। घर में उनके दोनों बेटे और बेटी थी। दोपहर में उमेंद्र घर आए और दो घंटे घर में रहे। उसके बाद वह फिर रिक्शा लेकर चले गए। रात आठ बजे किसी ने फोन कर उमेंद्र को उनकी बेटी छत से नीचे गिर गई है।

शाहबाद डेयरी इलाके में आग लगने से 50 झुग्गियां जलकर खाक, कोई जन हानि नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। शाहबाद डेयरी, बंगाली बस्ती स्थित झुग्गी में रविवार रात आग लग गई। लोग जान बचाने के लिए झुग्गी से निकलकर भागने लगे। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की नौ गाड़ियों ने डेढ़ घंटे में आग पर काबू पा लिया। आग में पचास झुग्गियां जल गई। आग में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों का पता नहीं चला है। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच में जुट गई है। दमकल विभाग के मुताबिक रविवार रात करीब सात बजे दमकल विभाग को आग लगने की जानकारी मिली। लोगों को वहां से हटाने के बाद दमकल कर्मी आग बुझाने में जुट गए। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। उसके बाद दमकल कर्मी कूलिंग के काम में जुट गए। दमकल कर्मियों ने तलाशी अभियान चलाया, लेकिन इनमें कोई हताहत नहीं मिला। स्थानीय निवासी सलमान ने बताया कि आग लगते ही सभी झुग्गी से जान बचाकर भागे। लोगों का सारा सामान जल गया। झुग्गी में सिलिंडर विस्फोट होने से आग तेजी से अन्य झुग्गियों में आग फैल गई। इतना ही नहीं लोगों के रेहड़ी, रिक्शा और साइकिल जल गए। लोगों को सामान निकालने तक का समय नहीं मिला। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया में अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आगे की जांच जारी है।

जन्मदिन की पार्टी में युवक ने खुद के सिर में मारी गोली, प्रेमिका से संबध टूटने की बात आई सामने

नोएडा, एजेंसी। सेक्टर-134 जेपी कॉसमॉस सोसाइटी के फ्लैट में शनिवार रात एक युवक ने खुद के सिर में गोली मार ली। फ्लैट में जन्मदिन पार्टी का आयोजन था जिस दौरान युवक के दोस्त भी मौजूद थे। युवकों ने पुलिस को कॉल कर घटना के बारे में बताया। घायल का इलाज निजी अस्पताल के आईसीयू में चल रहा है। पुलिस का कहना है कि सभी तथ्यों पर नजर है लेकिन अभी परिजनों ने कोई शिकायत नहीं दी है इसलिए केस दर्ज नहीं किया गया है।

एक्सप्रेस-वे थाना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बुलंदशहर के खानपुर निवासी 25 वर्षीय विक्रम ठाकुर सोसाइटी में किराये का फ्लैट लेकर दोस्तों के साथ रहता है। पहले वह कैब चलाता था लेकिन पिछले डेढ़ महीने से कोई काम नहीं कर रहा था। शनिवार को विक्रम के एक दोस्त की जन्मदिन पार्टी थी। इसमें आठ-10 युवक शामिल हुए। पार्टी रात दो बजे तक चलती रही। इस दौरान विक्रम अपने कमरे में गया और गेट बंद कर पिस्टल से खुद के सिर में गोली मार ली। बाकी दोस्तों ने उस कमरे में जाकर देखा तो वह खून से लथपथ पर फर्श पर पड़ा था। दोस्त उसे नजदीकी निजी अस्पताल ले गए। सूचना पर परिजन और पुलिस अस्पताल पहुंची। पुलिस का कहना है कि सभी तथ्यों की जांच की जा रही है। आगे जरूरत पड़ने पर पार्टी में शामिल युवकों से भी पूछताछ की जाएगी।

घटना को संज्ञान में लेकर सभी तथ्यों पर थाना पुलिस गहनता से जांच कर रही है। घायल की हालत गंभीर बनी हुई है। जन्मदिन की पार्टी में युवक के दूसरे कमरे में जाकर खुद को गोली मारने की जानकारी उसके बाकी दोस्तों ने दी है। - सुमित शुक्ला, एडीसीपी, नोएडा

प्रेमिका से संबध टूटने की बात आई सामने : विक्रम ने खुद को गोली क्यों मारी पुलिस इस बात की पड़ताल कर रही है। पुलिस का कहना है कि घायल के दोस्तों से पूछताछ के दौरान यह बात सामने आई है कि विक्रम का कुछ दिन पहले अपनी प्रेमिका से संबंध विच्छेद हो गया था। इसके बाद से वह परेशान चल रहा था। यह बात उसने दोस्तों को भी बताई थी। युवक के मोबाइल की भी जांच की जाएगी। विक्रम के पास हथियार कहां से आया इसकी भी जानकारी की जा रही है। अमन की हालत गंभीर है। उसका एम्स दिल्ली में वेंटिलेटर पर इलाज चल रहा है। भाई का बजे हमला किया।

दिल्ली की सड़कों पर 36 साल बाद लौटेंगी डबल डेकर बसें, अब दिखेगा इलेक्ट्रिक स्वरूप

दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली की सड़कों पर 36 साल बाद डबल डेकर बसों की वापसी होगी। 1989 में पुराने बेड़े की जर्जर हालत और सीएनजी युग की शुरुआत के चलते इन्हें बंद कर दिया गया था। अब दिल्ली सरकार इन्हें इलेक्ट्रिक स्वरूप में दोबारा चलाने की तैयारी में है। इसके लिए बसों का ट्रायल रन चुनिंदा रूट पर जल्द शुरू किया जाएगा। पायलट प्रोजेक्ट के लिए अशोक लेलैंड ने डीटीसी को सीएसआर फंड से एक इलेक्ट्रिक डबल डेकर बस दी है, जिसे ओखला डिपो में खड़ा किया गया है। बस की ऊंचाई 4.75 मीटर और लंबाई 9.8 मीटर है। इसमें 63 से अधिक यात्री एक साथ सफर कर सकते हैं। परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने बताया कि दो और बसें जल्द मिलने की उम्मीद है। पूर्व उपायुक्त (परिवहन विभाग) अनिल छिकारा का कहना है कि डबल डेकर बस की वापसी तकनीकी और इंफ्रास्ट्रक्चर की चुनौतियों से निपटने के बाद ही संभव होगी। यह पहल दिल्लीवासियों को सुनहरे दिनों से जोड़ेगी। ट्रायल के दौरान बैटरी की परफॉर्मेंस, रूट पर सुरक्षा और यात्रियों की सुविधा का आकलन किया जाएगा। हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। फ्लाईओवर की ऊंचाई, सड़कों पर लटकी पेड़ों की टहनियां और ओवरहेड बिजली की तारें इन बसों के संचालन में बाधा बन सकती हैं। इसके लिए डीटीसी अधिकारी रूट मैपिंग कर रहे हैं ताकि सुरक्षित मार्ग तय किया जा सके।

1949 में शुरू हुई थी डबल डेकर बस. : राजधानी में डबल डेकर बसों का संचालन 1949 में डीटीसी के अधीन शुरू हुआ था। पीले, हरे और लाल रंग की ये बसें दिल्ली की शान हुआ करती थीं। भीड़भाड़ वाले इलाकों जैसे कश्मीरी गेट, पुरानी दिल्ली, करोल बाग और कनॉट प्लेस तक पहुंचने के लिए लोग अक्सर इन्हीं बसों को चुनते थे। यात्रियों के लिए ऊपरी डेक से दिल्ली की गलियों और बाजारों का नजारा अविस्मरणीय अनुभव होता था।

दिल्ली सरकार का दावा है कि इलेक्ट्रिक डबल डेकर बसों की वापसी पर्यावरण हितैषी और जनता के अनुकूल कदम है। इससे न सिर्फ यात्रा सुगम होगी बल्कि दिल्ली के आधुनिक, ऐतिहासिक रूप को एक साथ जोड़ने का अवसर मिलेगा।

लूटपाट के मामले में आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य जिले के कमला मार्केट थाना पुलिस ने लूट की वारदात को महज 24 घंटे में सुलझा लिया। पुलिस ने इस संबंध में एक आरोपित को गिरफ्तार कर उसके पास से लूटी गई नकदी और शिकायतकर्ता का आधार कार्ड बरामद किया है। वारदात में इस्तेमाल हुई ई-रिक्शा भी जब्त कर ली गई है। पकड़े गए आरोपित की पहचान वीरेश उर्फ वीरू (21) के रूप में हुई है। मध्य जिले के डीसीपी निधिन वालसन के अनुसार 30 अगस्त की शाम करीब 7 बजे शाहगंज चौक से अजमेरी गेट तक जा रहे एक यात्री रफी गुल ने ई-रिक्शा किराए पर ली। रिक्शा चालक के साथ एक और युवक बैठा हुआ था। अजमेरी गेट के पास पहुंचने पर जब यात्री उतरा तो ड्राइवर और उसके साथी ने उसे रोककर हमला किया और पर्स लूट लिया। पर्स में करीब 20-25 हजार नकद और आधार कार्ड था। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपित मौके से भाग गए और ई-रिक्शा वहीं छोड़ गए। पीड़ित की शिकायत पर थाना कमला मार्केट में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। डीसीपी के अनुसार पुलिस टीम ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और स्थानीय मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपित की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपित के पास से 1200 नकद, शिकायतकर्ता का आधार कार्ड और वारदात में इस्तेमाल ई-रिक्शा बरामद हुई। पूछताछ में उसने वारदात कबूल कर बताया कि उसने अपने साथी शादाब के साथ मिलकर यह लूट की। ई-रिक्शा शादाब ने किसी परिचित से उधार ली थी और मालिक को इसकी जानकारी नहीं थी। पुलिस अब फरार आरोपित शादाब की तलाश में जुटी है।

भारतीय लोगों की कीमत पर ब्राह्मण कर रहे मुनाफाखोरी, रूस से तेल खरीद पर ट्रंप के सलाहकार का बेतुका बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो लगातार भारत पर रूस से तेल खरीदने के लिए निशाना साध रहे हैं। अब एक बार फिर उन्होंने एक बेतुका बयान देते हुए कहा कि भारतीय लोगों की कीमत पर ब्राह्मण फायदा कमा रहे हैं। पीटर नवारो ने कहा कि %पीएम मोदी एक महान नेता हैं, लेकिन मेरा ये कहना है कि भारतीय लोग, इस बात को समझें कि यहां क्या चल रहा है। ब्राह्मण लोग भारतीय लोगों की कीमत पर फायदा कमा रहे हैं। हमें इसे रोकने की जरूरत है।% बता दें कि पीटर नवारो ने जिस ब्राह्मण शब्द का इस्तेमाल किया है, उसका मतलब धनी और कुलीन वर्ग से है। अमेरिका में धनी और उच्च वर्ग के लिए ब्राह्मण शब्द का इस्तेमाल किया जाता है।

पीटर नवारो भारत पर लगातार साध रहे निशाना : पीटर नवारो ने कहा कि भारत, रूसी राष्ट्रपति पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ कैसे सहयोग कर रहा है, जबकि वे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों के चलते अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है, जिससे दोनों देशों के रिश्तों में थोड़ी खटास आई है। पीटर नवारो भारत पर लगाए गए टैरिफ को सही ठहरा रहे हैं और पिछले कुछ दिनों से लगातार भारत पर निशाना साध रहे हैं।पीटर नवारो ने हाल ही में सोशल मीडिया पर साझा कई पोस्ट में भारत की आलोचना की थी। पीटर नवारो ने लिखा कि भारतीय रिफाइनरीज, अपने रूसी सहयोगियों के साथ मिलकर कच्चे तेल को रिफाइन करके फिर से ब्लैक मार्किट में बेचकर तगड़ा मुनाफा कमा रही हैं। इससे रूस की जेब में नकदी आ रही है, जो यूक्रेन युद्ध में रूस को वित्तपोषित कर रही है। अन्य बयान में पीटर नवारो ने कहा कि भारत जो कर रहा है,

हमारा देश पूरी तरह से बर्बाद हो जाएगा टैरिफ पर संघीय अदालत के फैसले के बाद बोले ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को गलत बताने के संघीय अदालत के फैसले की आलोचना की है। ट्रंप ने कहा कि टैरिफ से अमेरिका में खरबों डॉलर आए हैं। बिना टैरिफ के अमेरिका पूरी तरह से बर्बाद हो जाएगा। इसके अलावा ट्रंप ने टैरिफ का समर्थन करने वाले न्यायाधीश का धन्यवाद जताया। यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स ने 7-4 के फैसले से ट्रंप के टैरिफ को गलत बताया था और उस पर रोक लगाने का आदेश दिया था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि बिना टैरिफ और उन सभी खरबों डॉलर के जो हम पहले ही ले चुके हैं, हमारा देश पूरी तरह से बर्बाद हो जाएगा और हमारी सैन्य शक्ति तुरंत खत्म हो जाएगी। ट्रंप ने लिखा कि 7 से 4 की राय में जजों के एक कट्टरपंथी वामपंथी समूह को इसकी परवाह नहीं थी, लेकिन ओबामा द्वारा नियुक्त एक डेमोक्रेट ने वास्तव में हमारे देश को बचाने के लिए वोट दिया। मैं उनके साहस के लिए उनका धन्यवाद करना चाहता हूं। वह अमेरिका से प्यार करते हैं और उसका सम्मान करते हैं।

संघीय अदालत ने टैरिफ पर लगाई थी रोक : यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स ने शुक्रवार को अपने फैसले में कहा था कि ट्रंप ने देशों पर टैरिफ लगाने के लिए अपनी शक्तियों का सीमा से आगे बढ़कर इस्तेमाल किया। संघीय अदालत ने 7-4 के फैसले से ट्रंप के टैरिफ को गलत बताया और उस पर रोक लगाने का आदेश दिया। हालांकि ये आदेश तुरंत लागू नहीं होगा और अदालत ने ट्रंप प्रशासन को अक्तूबर तक सुप्रीम कोर्ट में अपील का समय दिया है, तब तक टैरिफ लागू रहेगा।

टैरिफ पर रोक लगी तो अमेरिका को मिलने वाले लाखों करोड़ रुपये से हाथ धोना पड़ेगा :संघीय अदालत का यह फैसला राष्ट्रपति ट्रंप के लिए बड़ा झटका है क्योंकि उनकी व्यापार नीतियों ने वित्तीय बाजार में भारी उथल-पुथल मचा रखी है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता का समय है, बढ़ती महंगाई और धीमी आर्थिक वृद्धि ने दुनिया को मंदी की तरफ धकेल दिया है। अब अगर टैरिफ पर भी रोक लग जाती है तो इससे अमेरिका को मिलने वाले लाखों करोड़ रुपये भी अटक जाएंगे। हालांकि विदेशी स्टील, एल्युमीनियम और ऑटोमोबाइल पर लगाए गए टैरिफ पर अदालत ने रोक नहीं लगाई है क्योंकि ये आयात अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं।कि अमेरिका अपने निर्यात से ज्यादा आयात करता है, जैसा कि देश दशकों से करता आ रहा है। लगातार व्यापार घाटा अमेरिकी विनिर्माण क्षमता और सैन्य तैयारियों को कमजोर कर रहा है। फिलहाल लागू रहेंगे टैरिफ, अपील के लिए 14 अक्तूबर तक का समय गौरतलब है कि अमेरिका के संघीय अपीलीय कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगाए अधिकांश टैरिफ को अवैध करार दिया है। कोर्ट ने कहा, I सहारा लिया है,

नामी कंपनियों के साबुन, गुडनाइट बनाने की फैक्टरी पर छापा; 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली,एजेंसी। आपके घर में आ रहा ऑल आउट, हिट, गुड नाइट और साबुन कहीं नकली तो नहीं हैं। जी हां दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने रोहिणी सेक्टर-16 में फैक्टरी में छापा मारकर भारी मात्रा में नामी कंपनी के नकली ऑल आउट, हिट, गुड नाइट और साबुन बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अंकित मित्तल, हैप्पी गोयल और नरेश सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 20 लाख रुपये का नकली सामान बरामद किया है। फैक्टरी से नकली सामान बनाने में इस्तेमाल की जाने वाली मशीनें, पैकेजिंग सामग्री व अन्य सामान बरामद किया गया है।

अंकित मित्तल गोदाम मालिक है। पुलिस उससे पूछताछ कर उसके बाकी साथियों की तलाश कर रही है। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला है कि अंकित पिछले काफी समय से मार्केट में नकली सामान की सप्लाई करवा रहा है। हैप्पी नकली गुड नाइट बनता है जबकि नरेश हिट बनाता है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया कि उनकी टीम को सूचना मिल रही थी कि रोहिणी इलाके में नकली साबुन, हिट और गुड नाइट बनाई जा रही है। सूचना मिलने के बाद टीम ने जानकारी जुटाई। 27 अगस्त को कंपनी के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में सेक्टर-16, जी-6 की एक फैक्टरी में छापेमारी की गई। पुलिस को वहां गोदाम पर अंकित मित्तल मिला। इसके गोदाम में भारी मात्रा में नकली सामान बरामद हुआ। वहां से कई मशीन व पैकेजिंग का सामान भी मिला। अंकित से पूछताछ के बाद पुलिस ने पहले रोहिणी से हैप्पी को गिरफ्तार किया। बाद में नांगलोई इलाके से नरेश सिंह को गिरफ्तार किया गया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

हूती विद्रोहियों का दावा- लाल सागर में इस्राइली तेल टैंकर को मिसाइल से बनाया निशाना, तनाव बढ़ा

दुबई, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने सोमवार को कहा कि उन्होंने सऊदी अरब के तट के पास लाल सागर में एक तेल टैंकर पर मिसाइल दागी। इससे इस वैश्विक जल मार्ग पर जहाजों पर उनके हमलों की फिर शुरुआत हो सकती है। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारि ने एक रिकॉर्डेड संदेश में इस हमले की जिम्मेदारी ली। यह संदेश हूती नियंत्रित सैटेलाइट न्यूज चैनल अल-मसीरा पर प्रसारित हुआ। उन्होंने दावा किया कि यह %स्कारलेट रे% जहाज इस्राइल से जुड़ा हुआ था। जहाज के मालिकों से तत्काल संपर्क नहीं हो सका। ब्रिटेन की सेना के यूनाइटेड किंगडम मरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर ने बताया कि सऊदी अरब के यानबू इलाके के पास एक जहाज ने पानी में किसी चीज के गिरने की आवाज (छपाक) और एक धमाका सुना। यह सेंटर मध्य पूर्व में जहाजों की आवाजाही पर नजर रखता है। नवंबर 2023 से दिसंबर 2024 तक हूती विद्रोहियों ने इस्राइल-हमास युद्ध के दौरान गाजा पट्टी में 100 से अधिक जहाजों को मिसाइल और ड्रोन से निशाना बनाया। अब तक अपने अभियान में हूती विद्रोहियों ने चार जहाजों को डुबाया है और आठ नाविकों की जान ली है।

ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने युद्ध के दौरान एक छोटे युद्धविराम के दौरान अपने हमले बंद कर दिए थे। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर एक साप्ताहिक हवाई हमले हुए, जिसके बाद उन्होंने हूती विद्रोहियों के साथ युद्धविराम की घोषणा की। जुलाई में हूती विद्रोहियों ने दो जहाज डुबोए, जिनमें चार लोग मारे गए।

हूती विद्रोहियों के ताजा हमले ऐसे समय में हुए हैं, जब इस्राइल और हमास के बीच युद्ध में युद्धविराम को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। वहीं, ईरान के विवादित परमाणु कार्यक्रम का भविष्य भी सवालों के घेरे में है। इस्राइल और ईरान के 12 दिनों तक संघर्ष चला था, जिसमें अमेरिकी बलों ने तीन ईरानी परमाणु ठिकानों पर बमबारी की थी। इस्राइल ने पिछले हफ्ते कई हवाई हमले किए, जिनमें हूती प्रधानमंत्री और कई कैबिनेट सदस्यों की मौत हुई। जहाज पर हूती विद्रोहियों का हमला उनकी प्रतिक्रिया माना जा रहा है। उसके चलते अमेरिका में सभी को नुकसान हो रहा है। उपभोक्ता, व्यापार, सभी को नुकसान उठाना पड़ रहा है। भारत के बहुत ज्यादा टैरिफ की वजह से हमारी नौकरियां, फैक्ट्रियां, आय और मजदूरी सबकुछ बढ़ गए हैं। करदाताओं पर भी इसका असर पड़ रहा है क्योंकि हमें मोदी के युद्ध को फंड देना पड़ रहा है।

करनाल के ज्वेलर की कार से 45 लाख के गहने चोरी

नई दिल्ली, एजेंसी। करनाल हरियाणा में ज्वेलरी की दुकान चलाने वाले ज्वेलर की कार से 45 लाख रुपये के आभूषण चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना केशवपुरम इलाके में तब घटित हुई जब वह करोलबाग से गहने लेकर अपनी कार से करनाल जा रहे थे। जाम में फंसे कार के शीशे को तोड़कर चोर बैग निकाल कर भाग गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की जांच कर बदमाशों की पहचान करने में जुटी है। जानकारी के मुताबिक 48 साल के सतीश कुमार सपरिवार सेक्टर सात करनाल हरियाणा में रहते हैं। उनके बेटे का नेहरु प्लेस करनाल में ज्वेलरी की दुकान है। सतीश कारोबार में अपने बेटे की मदद करते हैं। केशवपुरम थाने में दर्ज प्राथमिकी में सतीश ने बताया, 28 अगस्त को सतीश को उनके बेटे ने करोलबाग से गहने लेकर आने के लिए कहा था। शाम करीब सात बजे वह करीब 45 लाख के गहने को बैग में रखने के बाद उसे अपने चालक के साथ कार से करनाल ले जा रहे थे। गहने को उन्होंने ड्राइवर की सीट के पीछे नीचे में रख दिया था, जबकि खुद ड्राइवर की बगल वाली सीट पर बैठे थे। कि नसबंदी केंद्रों के दौरे के दौरान डॉक्टरों और स्टाफ की उपलब्धता, दवाओं और उपकरणों की स्थिति और प्रतिदिन हो रहे ऑपरेशनों की संख्या की बारीकी से जांच की जाएगी। दिल्ली के मालवीय नगर थाना क्षेत्र की गुत्ता कॉलोनी में विवेक (18 वर्ष) की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। सगे भाई अमन पर भी चाकू से हमला किया गया।

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक सेपन्न

शिकायतों का समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की विभागवार विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि शिकायतों के निराकरण में किसी भी स्तर पर कोई उदासीनता या लापरवाही स्वीकार नहीं की जावेगी। संबंधित एल1 एवं एल2 अधिकारियों के विरूद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी। कलेक्टर ने कहा कि

अगले दो दिनों में सीएम हेल्पलाइन की पुन: समीक्षा की जाएगी जिसमें सभी अधिकारी प्रगति के विवरण के साथ उपस्थित रहेंगे।

कलेक्टर ने सभी विभागों को गत दो महीनों की तरह ए ग्रेड प्राप्त करने हेतु निर्देशित किया है। कलेक्टर ने कहा कि माह जुलाई एवं अगस्त में शिकायतों के निराकरण में अच्छी प्रगति हुई है। हमें इसे सतत रूप से जारी रखना है। कलेक्टर ने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम हेतु चयनित विषयों से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता पर निराकृत करने के निर्देश दिए हैं।

खाद विक्रय की सतत निगरानी रखने के निर्देश: कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को खाद विक्रय की स्थिति में सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि खाद उपलब्धता की जानकारी पूरी पारदर्शिता के साथ किसानों को उपलब्ध कराई जाए। साथ ही उपलब्ध खाद का विक्रय पूरी निष्पक्षता के साथ किया जाए। कलेक्टर ने खाद की कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने जिले से की जा रही नियुक्तियों में पूरी पारदर्शिता तथा निष्पक्षता का पालन करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग जिले में विभिन्न पदों में नियुक्ति करते समय शासन द्वारा जारी निर्देशों का कढ़ाई से पालन सुनिश्चित करेंगे। इसमें किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कठोर अनुशासनात्मक तथा दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, अपर कलेक्टर बीपी पाण्डेय, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला, सिहावल प्रिया पाठक, मझौली आरपी त्रिपाठी, चुरहट शैलेष द्विवेदी सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें।

लंबित पेंशन प्रकरणों का निराकरण तत्परता से कराएं : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि विभाग में लंबित पेंशन प्रकरणों का निराकरण एक सप्ताह में किया जाकर कार्यालय कलेक्टर जिला सीधी को अवगत कराना सुनिश्चित करें।

उन्होंने बताया कि विभिन्न विभागों में 01 सितम्बर 2019 से 31 जूलाई 2025 तक सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरण विभिन्न कारणों से विभाग स्तर पर लंबित हैं। उक्त प्रकरणों को समय पर जिला पेंशन कार्यालय को प्रेषित नहीं किए गए हैं अथवा त्रुटिपूर्ण प्रकरण प्रेषित करने के कारण उनका पेंशन प्राधिकार पत्र जारी नहीं हो पा रहे हैं। सेवा निवृत्त शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरण निराकृत नहीं होने से कर्तव्य के प्रति उदासीनता एवं लापरवाही प्रतीत होती है। अत: पेंशन प्रकरणों का तत्परता से निराकरण सुनिश्चित कराएं।

'जिले में उर्वरक आपूर्ति के प्रयास जारी' : उप संचालक कृषि

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग सीधी द्वारा किसानों को सूचित किया गया है कि जिले में यूरिया की आपूर्ति लगातार जारी है। बरिगवां रैक प्वाइंट से सीधी जिले में डबल लॉक केन्द्र हड़बड़ो को 173 मै.टन जिसमें से 90 मै.टन समितियों को जिसके अन्तर्गत कमर्जी, उपनी, पनवार प्रत्येक को 15 मै.टन चौफाल को 18 मै.टन एवं अमरपुर को 27 मै.ट. प्राप्त हुये है। डबललॉक सीधी को 178 मै.टन, गुप्ता खाद भण्डार 57.15 मै.टन, प्रवीण ट्रेडर्स 30.15 मै.टन, श्रीराम ट्रेडर्स 52.96 मै.टन यूरिया उपलब्ध करायी गयी है तथा रीवा रैक प्वाइंट से चुरहट एवं अमिलिया डबललॉक को क्रमश: 110 मै.टन एवं 84 मै.टन जबकि प्राइवेट विक्रेताओं में भूमिका कृषि सेवा केन्द्र को 27 मै.टन, गुप्ता खाद बीज भण्डार को 30.15 मै.टन तथा विन्ध्या कृषि सेवा केन्द्र सीधी को 31.5 मै.टन यूरिया उपलब्ध करायी गई है। रीवा रैक प्वाइंट से ही 150 मै.टन जिसमें चुरहट एवं अमिलिया को क्रमश: 75-75 मै.टन यूरिया जल्द उपलब्ध होगी। जिले में पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध करायी जा रही है। किसानों से अपील है कि वे किसी भी तरह की अफवाह या पेनिक में न आये।

नवांकुर सखी योजना के तहत झगरहा में कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जन अभियान परिषद योजना आर्थिक सांख्यिकीय विकास विभाग मध्य प्रदेश शासन के संभागीय समन्वयक प्रवीण पाठक, जिला समन्वयक जन अभियान शिवदत्त उर्मलिया के निर्देशानुसार सीधी जिले के सेक्टर बढौरा नम्बर-02 के आदर्श ग्राम झगरहा के गुरूकुल विद्यालय परिसर में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवांकुर संस्था प्रकाश जन विकास समिति सीधी द्वारा आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य सरस्वती बहेलिया, कार्यक्रम की अध्यक्षता नीशा पाण्डेय सरपंच झगरहा, नवांकुर संस्था प्रकाश जन विकाश समिति संचालक अजय पाण्डेय, ग्रामपंचायत सचिव राजनारायण विश्वकर्मा, रोजगार सहायक झगरहा कृष्णराज सोनी, जमुना सोनी, बाबूलाल विश्वकर्मा, शान्ती विश्वकर्मा, आरती विश्वकर्मा, कुशुम कली कोल, देवी केवट सहित अन्य महिलाए उपस्थित रहीं।

सीधी में समिति सेवक 265 की यूरिया 300 में बेचा

2 दिनों से लाइन में खड़े हैं किसान; उनके आधार कार्ड भी वापस नहीं कर रहे

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में किसानों को खाद के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रामपुर नैकिन जनपद पंचायत के ग्राम धनहा में समिति सेवक जय सिंह पर किसानों ने आरोप लगाए हैं। वे 265 रुपए की यूरिया खाद को 300 रुपए में बेच रहे हैं।

खाद के लिए ले रहे अधिक पैसे: किसान सत्यभान कोल और अन्य किसानों के अनुसार सोमवार को समिति सेवक उनके आधार कार्ड भी वापस नहीं कर रहे हैं। दो दिन पहले समिति में खाद के दो ट्रक आए थे। लेकिन किसानों को नियत दाम पर खाद नहीं मिल रही है। समिति सेवक केवल अधिक कीमत देने वाले किसानों को ही खाद दे रहे हैं।

दो दिनों से लाइन में खड़े हैं किसान: ग्रामीणों की शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई है। किसान पिछले दो दिनों से सुबह से लाइन में खड़े रहते हैं। समिति सेवक अपनी मर्जी से

गोदाम खोलते हैं। कभी आधे घंटे के लिए तो कभी दो-तीन घंटे के लिए गोदाम खुलता है। इससे किसानों को बार-बार खाली हाथ लौटना पड़ता है।

पूर्व मंत्री बोले-खाद किसानों की प्राथमिक जरूरत: पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर इस मामले में चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि खाद किसानों की प्राथमिक जरूरत है। इसमें लापरवाही

बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जब समिति सेवक जय सिंह से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा – मैं अपनी मर्जी का मालिक हूं। खाद 300 में ही दूंगा। जिसे लेना है ले, नहीं लेना है तो मत लो।

कलेक्ट्रेट में किया गया राष्ट्र गान एवं राष्ट्रगीत का गायन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सितम्बर माह के कार्य का आगाज राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत के गायन के साथ अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट परिसर में संपन्न हुआ।

इस मौके पर उपखण्ड अधिकारी राकेश शुक्ला विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

तेज बारिश से मुक्तिधाम नाले की पुलिया बही, वार्ड क्रमांक 9 का नगर से संपर्क टूटा; स्कूल, अस्पताल और बाजार पहुंचने में दिक्कतें

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। तेज बारिश के कारण मुक्तिधाम नाला पर बनी पुलिया बह गई है। पुलिया बह जाने से वार्ड क्रमांक 9 का नगर से संपर्क टूट गया। अब लोगों को अस्पताल, बाजार और स्कूल जाने के लिए कई किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ रहा है। प्रशासन की अनदेखी और समय पर मरम्मत न होने से ग्रामीणों में आक्रोश है।

प्रशासन ने समय रहते नहीं कराया दुरुस्त: जिला पंचायत सदस्य पुष्पेंद्र सिंह पटेल के अनुसार, पुलिया पहले से ही जर्जर स्थिति में थी। उन्होंने प्रशासन को इसकी मरम्मत के लिए सूचित किया था। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। बीती रात की मूसलधार बारिश ने पुलिया को बहा दिया।

बच्चों की पढ़ाई और लोगों के इलाज पर पड़ा असर: स्थानीय निवासी रमेश ने बताया कि बच्चों को स्कूल जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ लोग जान जोखिम में डालकर टूटी पुलिया को पार कर रहे हैं। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया।

लोग जान जोखिम में डालकर कर रहे टूटी

पुलिया पार: पुलिस ने घटनास्थल पर बैरिकेड्स लगाकर मार्ग को बंद कर दिया है। लेकिन लोग इसका पालन नहीं कर रहे हैं। अब लोगों को अस्पताल और बाजार जाने के लिए कई किलोमीटर का अतिरिक्त रास्ता तय करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से तुरंत समाधान की मांग की है।

नौकर ने की ईंट-भट्ठा मालिक मालिक की हत्या

पति-पत्नी के झगड़े में बीच-बचाव करने गए थे, बाल्टी से पीट-पीटकर मार डाला

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के नवानगर थाना क्षेत्र के नंद गांव में एक ईंट भट्ठा मालिक की उनके ही नौकर ने हत्या कर दी। रविवार-सोमवार का दरमियानी रात करीब 2 बजे की यह घटना है।

नवानगर थाना प्रभारी कपूर त्रिपाठी के अनुसार, आरोपी मंगल सिंह अपनी पत्नी से झगड़ा कर रहा था। शोर सुनकर ईंट-भट्ठा मालिक छोटे कुशवाहा मौके पर पहुंचे। उन्होंने मंगल को समझाने का प्रयास किया। मजदूरों की मदद से मंगल के हाथ बांध दिए गए। छोटे कुशवाहा वहीं बैठे रहे ताकि झगड़ा न हो।

रात करीब 2 बजे मंगल ने किसी तरह अपने हाथ छुड़ा लिए। उसने पास में रखी बाल्टी

से मालिक के सिर पर कई वार किए। जब तक अन्य लोग मौके पर पहुंचे, छोटे कुशवाहा की मौत हो चुकी थी। आरोपी मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मृतक छोटे कुशवाहा का नंद गांव में ईंट का प्लांट था। आरोपी मंगल सिंह वहीं काम करता था। वह प्लांट परिसर में बने कमरे में परिवार के साथ रहता था। प्लांट के बगल में ही मालिक का मकान था।

विधायक को अश्लील टिप्पणी करने वाला युवक गिरफ्तार, फेसबुक पर की थी आपत्तिजनक पोस्ट; वीडियो से मांगी माफी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मझौली में एक युवक द्वारा सोशल मीडिया पर विधायक के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी के मामले में पुलिस ने आज सोमवार को कार्रवाई की है। मझौली थाना क्षेत्र के ग्राम ताला निवासी 24 वर्षीय अभिषेक शर्मा ने फेसबुक पर धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। घटना 28 अगस्त की शाम करीब 6 बजे की है। विधायक द्वारा मझौली बाईपास में कराए गए मरम्मत कार्य से असंतुष्ट होकर अभिषेक ने फेसबुक पर विवादित पोस्ट की। इस पोस्ट के बाद आदिवासी समाज के लोगों ने 30 अगस्त को थाने में शिकायत दर्ज कराई।

थाना प्रभारी विशाल शर्मा के अनुसार आदिवासी समाज की शिकायत पर वैधानिक

जांच की जा रही है। पुलिस फेसबुक पोस्ट की जांच कर रही है। आरोपी युवक को पूछताछ के लिए थाने बुलाया गया है। इस बीच अभिषेक शर्मा ने एक वीडियो जारी कर सार्वजनिक माफी मांगी है। उसने कहा कि उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और आवेश में आकर गलत टिप्पणी कर दी। उसने भविष्य में ऐसी गलती न दोहराने का वादा किया है।

शहडोल में हर ऑटो में एसडीएल नंबर अनिवार्य

सामान खोने पर आसानी से मिल सकेगा पता, पुलिस ने वाहनों पर लिखवाया

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक नई व्यवस्था लागू की गई है। अब हर ऑटो में एसडीएल नंबर का लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। यह नंबर ऑटो के अंदर और बाहर दोनों जगह लिखा जाएगा। सोमवार को यातायात पुलिस ने इस नियम को सख्ती से लागू करते हुए 50 से अधिक नए ऑटो को थाने में बुलाकर एसडीएल नंबर अंकित करवाया है।

यातायात थाना प्रभारी शिवेंद्र राम भगत के अनुसार, थाने में एक हजार से अधिक ऑटो पहले से ही रजिस्टर्ड हैं। सभी रजिस्टर्ड ऑटो का रिकॉर्ड यातायात थाने में संरक्षित है।

यात्रियों का ऑटो में भूला सामान वापस मिलेगा: इस व्यवस्था का सबसे बड़ा फायदा यात्रियों को होगा। अगर कोई यात्री अपना सामान ऑटो में भूल जाता है, तो वह एसडीएल नंबर के जरिए आसानी से ऑटो का पता लगा सकता है।

यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह नंबर ऑटो के अंदर और बाहर दोनों जगह अंकित किया जाता है। क्योंकि अक्सर लोग ऑटो में बैठते समय उसका रजिस्ट्रेशन नंबर नोट नहीं कर पाते।

यातायात पुलिस के अनुसार, हर ऑटो का एसडीएल नंबर अलग होता है। यात्री इस नंबर को यातायात पुलिस को बताकर संबंधित ऑटो की पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

टेक्नीशियन के घर से सोने-चांदी के गहने और नगदी चोरी

शहडोल में पत्नी घर में थी, रेलवे कॉलोनी में एक सप्ताह में दूसरी वारदात

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। रेलवे कॉलोनी में चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। एक सप्ताह में दूसरी बार चोरी की वारदात हुई है। इस बार रेलवे टेक्नीशियन चितरंजन शाह के घर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। चितरंजन शाह रेलवे कॉलोनी के क्वार्टर नंबर 385/1 में रहते हैं। रविवार रात वह ड्यूटी पर गए हुए थे। उनकी पत्नी घर में अकेली थी। रात में अज्ञात चोर घर में घुस गए। चोरों ने सोने-चांदी के गहने और नगदी चुरा ली। करीब एक लाख रुपए की चोरी हुई है।

महिला ने चोर को देखा: घटना के समय चितरंजन की पत्नी की नींद खुली। उन्होंने चोर को खिड़की के पास देखा। अकेली होने के कारण वह डर गईं। चोर के जाने के बाद उन्होंने चितरंजन को सूचना दी। घर लौटने पर चितरंजन ने देखा कि बाहर का ताला टूटा हुआ था।

लोको पायलट के घर भी हो चुकी चोरी: एक सप्ताह पहले इसी कॉलोनी में

लोको पायलट के घर चोरी हुई थी। चोरों ने किचन का राशन और बाथरूम का साबुन तक चुरा लिया था। पुलिस अभी तक चोरों को पकड़ने में नाकाम है।

चोरों के बढ़ते आतंक से लोग डरे हुए हैं। कई परिवार अपने किराए के मकान छोड़कर दूसरी जगह जा रहे हैं। चितरंजन ने कोतवाली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आपदा के बीच कौन

संपादकीय

आपदा के बीच इस बार पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार आ गए। वह ब्राह्मण कल्याण बोर्ड की स्थापना के समय और आकार पर प्रश्न उठाते हैं। कुल 140 सदस्यों का बोर्ड अपने तरीके से नपा तुला ही होगा। वैसे हम राजनीति की शब्दावली में हर क्षण को अपने बयानों या प्रदर्शनों का पूरक बना देते हैं। विधानसभा के मानसून सत्र को ही लें तो चर्चाओं का सारा ज्ञान और पक्ष-विपक्ष में बंटा संज्ञान वह तो नहीं, जो हर दम आपदा-आपदा कह रहा हो, बल्कि हिमाचल की राजनीति पुन: केंद्र के सामने हल्की हो गई। बेशक सियासी फिजूलखर्ची पर अंकुश लगना चाहिए, लेकिन यहां तो सियासत को टिकाए रखने का सवाल है। सियासत न होती तो शांता जी के बयान की अहमियत न होती। किसी वरिष्ठ अधिकारी या अपने क्षेत्र में सफल रहे प्रोफेशनल के विचारों को कौन लिख पाता। यहां कहा और सुना नहीं जाता, बल्कि कहा सुनी का मजा है। कहने को आपदा के हर लम्हे में किसे निर्दोष मानें। किस यात्रा किस सफर को फ़िरदौश मानें। नरक सी परिस्थितियों में उबाल आ रहा है, यहां उसके और मेरे लबादे का सवाल आ रहा है। इस ब्राह्मण बोर्ड की स्थापना के तार, बेतार नहीं होंगे, वहां कुछ मेरे कुछ तुम्हारे यार होंगे। आपदा के बीच वीआईपी चले होंगे और जनसमूह के बीच किसी मंत्री पर प्रहार चले होंगे। आपदा तो व्यवस्था के ढांचे में है जहां हर फैसला राजनीतिक पतवार है। ऐसे में एक सहमति तो शांता कुमार से बनती है कि सारे बोर्ड और राजनीतिक ओहदेदारियां निरस्त कर दी जाएं। विकास की फाइल से राहत की उम्मीद बिछा दी जाए। हम समुद्र हो जाएं-पानी हो जाएं, भाजपा और कांग्रेस को इस आफत में मिला दिया जाए, लेकिन क्या ऐसा होगा। फिजूलखर्चियों ने हिमाचल पर लगभग एक लाख करोड़ का कर्ज चढ़ा दिया है, लेकिन इस ग्रहण को हर बार 'राजतिलक' स्वीकार करेगा। धर्मशाला के कचहरी क्षेत्र में एक पुल बना है, लेकिन इसके ऊपर से न कोई गुजरा और न ही कोई गुजर सकता है। करीब पैंतालीस लाख रुपए खर्च हुए, मगर परियोजना बिना काम के श्रीमान बनी हुई है। ऐसे कई किस्से-कई कहानियां, कई दस्तूर-कई मशहूर, कई कार्यकर्ता-कई नेता मिल जाएंगे, जो हर बार सरकार के उपहार में खुद को प्रासंगिक बना देते हैं। अब तो हर विधायक के अपने ठेकेदार, अपने कर्मचारी, अपने अधिकारी, अपने पर्यवेक्षक और अपने निवेशक मिल जाएंगे। पार्टी संगठनों में बंटते पद अंतत: सत्तारूढ़ होने की निशानियों में शामिल होकर सफल होते हैं। प्रदेश में राजनीति ही शाहूकार है, राज्य पर कर्ज चढ़ाती और अपनों का कर्ज उतारती रहती है। आज देश के लिए राजनीति और राजनीतिक सोच सबसे बड़ी आपदा है। यही सोच पूरे हिमाचल को विपक्षी मान कर राहत में अछूत बना देता है। आपदा में ब्राह्मण कल्याण बोर्ड की सदस्यता एक अवसर है या निरंतर आपदा में धंसे हिमाचल को आपदा में भी घेर लेना अवसर है। कभी तो राजनीति प्रायश्चित करे कि गलत नीतियों ने आज जिस मुहाने में फंसा दिया, वहां पूर्व के भी कुटुंब गलत थे। आपदा को कोरे कागज या कोरे बयान में उतारने के बजाय क्षमा मांगने के अवसर की तरह देखा जाए।

जैन समाज साल में एक बार इस अवधि में अभिव्यक्त शब्दों, क्रोध की संज्ञाओं-कारणों या जाने-अनजाने में पहुंचाए गए कष्ट के लिए एक

'शोले' की अनकही दास्तान

हनीफ जवेरी

बॉलीवुड में कुछ फिल्में ऐसी बनी हैं, जिन्हें बनाते समय निर्माताओं ने यह कभी नहीं सोचा होगा कि वे फिल्म बनाने नहीं, बल्कि इतिहास रचने जा रहे हैं। बॉलीवुड की बेहतरीन फिल्मों में से एक फिल्म है 'शोले', जिसे रिलीज हुए 50 वर्ष हो चुके हैं।

फिल्म 'अंदाज' और 'सीता और गीता' के बाद रमेश सिप्पी अपनी अगली फिल्म का विषय तलाश रहे थे। इसके लिए स्वयं जी.पी. सिप्पी ने लेखक जोड़ी सलीमङ्कजावेद से संपर्क किया। उन्होंने दो कथाएं सुनाईं, जिन्हें सिप्पी ने अस्वीकार कर दिया। लेकिन जब अगली कहानी पिता-पुत्र ने सुनी तो उनकी खुशी का पारावार न रहा और वे खुशी से झूम उठे। यह वही कहानी थी, जिसे फिल्मकार मनमोहन देसाई पहले ही नकार चुके थे और वो कहानी थी फिल्म 'शोले' की।

दिलचस्प बात यह है कि जिन दो कथाओं को सिप्पी ने ठुकराया था, उनमें से एक मनमोहन देसाई और दूसरी निर्माता प्रेमजी को पसंद आ गई। दोनों ने उन्हीं पर आधारित 'चाचा भतीजा' और 'मजबूर' जैसी फिल्में बनाईं। पहले 'शोले' की कहानी में ठाकुर बलदेव सिंह मुख्य सेनाधिकारी थे। उनके साथ सैनिकों के रूप में जय और वीरू नियुक्त थे। किसी कारणवश दोनों को नौकरी से निकाल दिया जाता है। उधर गब्बर सिंह पड़ोसी मुल्क के लिए भारत में आतंक पैसलाता रहता है, जिसे सेनाध्यक्ष ठाकुर बलदेव सिंह पकड़कर पुलिस के हवाले कर देते हैं। आगे की कहानी वही है- गब्बर का जेल से भागना और बलदेव सिंह से बदला लेना, लेकिन सेनाध्यक्ष की भूमिका के लिए सेना विभाग से लिखित अनुमति लेना आवश्यक था। सिप्पी ने लेखक सलीमङ्कजावेद से फिल्म की पटकथा में परिवर्तन कर सेनाध्यक्ष के किरदार को पुलिस निरीक्षक का रूप दे दिया।

'शोले' बहु-कलाकारों वाली फिल्म थी, इसलिए इसकी कास्टिंग में कई उतार-चढ़ाव हुए। गब्बर के लिए पहले डैनी चुने गए। धर्मेंद्र ने यह फिल्म केवल हेमा मालिनी की वजह से की। संजीव कुमार और हेमा मालिनी का रिश्ता टूट चुका था, इसलिए उनके साथ वाले दृश्य हटा दिए गए और बंगलुरू में अलग-अलग होटलों में ठहराया गया।

संजीव कुमार के बेटे की भूमिका पहले फारूक शेख को दी गई थी, पर बाद में संजीव कुमार के कहने पर यह छोटा दृश्य अरविंद जोशी ने किया। जब डैनी ने 'धर्मात्मा' के लिए 'शोले' छोड़ दी, तो संजीव कुमार की सिफारिश पर गब्बर की भूमिका अमजद खान को मिली। फिल्म 'शोले' में काम कर चुके लगभग हर कलाकार की चर्चा हुई। कई किरदारों के नाम पर फिल्मों के शीर्षक भी रखे गए, जैसे 'कालिया', 'जय-वीरू', 'बसंती तांगेवाली', 'सूरमा भोपाली', 'गब्बर सिंह'। इतना ही नहीं, 'रामगढ़ के शोले' और 'दो शोले' जैसी फिल्में बनाकर भी इस शीर्षक का उपयोग किया गया, लेकिन डबल रोल निभानेवाले अभिनेता मुश्ताक मर्चेंट की कहीं चर्चा नहीं हुई। उन्होंने उस पारसी का किरदार निभाया था, जिसकी मोटरबाइक लेकर जय और वीरू फरार होते हैं और जिसका केवल पिछला हिस्सा ही परदे पर दिखाई देता है। इसके अलावा, फिल्म की शुरुआत में मुश्ताक ने इंजन ड्राइवर का भी रोल किया था।

'शोले' के लिए सेंसर बोर्ड ने फिल्म के चरम दृश्य पर आपत्ति जताई। असली चरम दृश्य में ठाकुर बलदेव सिंह अपने जूतों में लगी कीलों से गब्बर को मार डालता है। गब्बर के मरते ही ठाकुर को एहसास होता है कि बदला लेकर उसने क्या पाया? वह वीरू से कहता है, 'ये मैंने क्या कर दिया, मुझे गब्बर से बदला नहीं लेना चाहिए था।' और स्वयं को पुलिस के हवाले कर देता है। कहानी का संदेश यही था कि बदला लेकर कुछ हासिल नहीं होता। लेकिन सेंसर की आपत्ति के कारण चरम दृश्य बदलना पड़ा और गब्बर को जीवित ही पुलिस के हवाले करना पड़ा।

उराखण्ड अल्पसंयक शिक्षा विधेयक-बत्चों के भविष्य की गारंटी : अन्य राज्यों के लिए है सबक

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

उत्तराखण्ड की धामी सरकार ने हाल ही में विधानसभा से 'उत्तराखण्ड अल्पसंख्यक शिक्षा विधेयक 2025' पारित कर एक ऐसा कदम उठाया है, जिसकी गूंज केवल यहीं तक सीमित नहीं है बल्कि पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था और अल्पसंख्यक अधिकारों की बहस को नई दिशा देती हुई दिखाई दे रही है। ये सबक है अन्य राज्यों के लिए जो इच्छा शक्ति के अभाव में अपने के सभी बच्चों के हित में इस तरह के प्रभावी निर्णय लेने से बचते आए हैं।

दरअसल, यह विधेयक केवल मुस्लिम मदरसों तक सीमित न रहकर सिख, जैन, बौद्ध, ईसाई और पारसी समुदायों के शैक्षणिक संस्थानों को भी अल्पसंख्यक दर्जा प्रदान करता है। अब तक की स्थिति में अल्पसंख्यक शिक्षा का दायरा संकुचित था और उसका लाभ लगभग एक ही समुदाय (मुस्लिम) तक सीमित होकर रह गया था, किंतु धामी सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि शिक्षा के क्षेत्र में समानता, पारदर्शिता और अवसर की भावना स्थापित होना बहुत जरूरी है, यह राज्य के सभी बच्चों के हित में है।

देश भर की सच्चाई ≈ अधिकार और वास्तविकता का अंतर: भारतीय संविधान ने भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यकों को अपने शिक्षण संस्थान स्थापित करने और चलाने का अधिकार तो दिया है, लेकिन व्यावहारिक रूप से राज्यों ने इस अधिकार को पूरी तरह से संतुलित ढंग से लागू अब तक नहीं किया जा सका है। देखने में यही आता है कि मदरसा अधिनियम अधिकांश राज्यों में बने, किंतु सिख, ईसाई, जैन या बौद्ध जैसे अन्य अल्पसंख्यक समुदाय अपने संस्थानों के संचालन में कठिनाइयों का सामना करते रहे। उनके पास न तो स्पष्ट वैधानिक मंच था और न ही अनुदान या मान्यता की प्रक्रिया में पारदर्शिता। परिणाम स्वरूप अल्पसंख्यक के नाम पर जो भी हो रहा है, वह अधिकांशत: एक रिलीजन तक ही सीमित होकर रह गया। ऐसे में उत्तराखण्ड का यह विधेयक इसी विसंगति को दूर करता है।

इसके माध्यम से पहली बार सभी अल्पसंख्यक संस्थान एक समान छतरी तले आएंगे। अब न केवल मदरसों को बल्कि गुरुद्वारों के अधीन चल रहे विद्यालयों, ईसाई मिशनरी स्कूलों, जैन और बौद्ध समाज के संस्थानों को भी वह अधिकार प्राप्त होगा जो अब तक केवल मुस्लिम संस्थानों तक सीमित था। यह व्यापक दृष्टि अपने आप में स्वागत योग्य है क्योंकि लोकतंत्र की असली खूबसूरती तब ही दिखती है जब सबको समान अवसर मिले।

हो गया पुराने अधिनियमों का अंत: इस विधेयक के लागू होने के बाद ÷उत्तराखण्ड मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2016÷ और ÷अरबी-फारसी मदरसा मान्यता नियम 2019÷ को खत्म कर दिया जाएगा। इसका अर्थ यह है कि शिक्षा की मान्यता अब किसी एक समुदाय विशेष के अधीन नहीं होगी, बल्कि सबके लिए समान रूप से उत्तराखण्ड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण जिम्मेदार होगा। यह प्राधिकरण संस्थानों को मान्यता देने, उनके वित्तीय लेन-देन पर निगरानी रखने, और शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का काम करेगा।

यहां यह भी तय किया गया है कि संस्थानों को सोसायटी एक्ट, ट्रस्ट एक्ट या कंपनी एक्ट के तहत विधिवत पंजीकृत होना आवश्यक होगा और उनकी जमीन-जायदाद, बैंक खाते आदि संस्थान के नाम पर दर्ज होंगे। स्वभाविक है कि इस प्रक्रिया के पालन से व्यवस्था में सुधार होगा, संस्थानों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।

इसलिए जरूरत पड़ी, ये कदम उठाने की: धामी सरकार ने यह कदम यूं ही नहीं उठाया है। पिछले कुछ वर्षों में मदरसा शिक्षा से जुड़े कई गंभीर प्रश्न सामने आए। छात्रवृत्ति वितरण में गड़बड़ियां, मिड-डे मील में अनियमितताएं, वित्तीय पारदर्शिता की कमी और यहां तक कि अवैध मदरसों के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग व आतंकवाद फंडिंग की आशंकाएं लगातार सामने आती रहीं। राज्य में लगभग 450 मदरसे आधिकारिक रूप से पंजीकृत हैं, किंतु 500 से अधिक मदरसों के अवैध संचालन की रिपोर्ट सामने आई। तब दिसंबर 2024 में सरकार ने इन पर बड़ी कार्रवाई की और करीब 200 अवैध मदरसे बंद कराए।

सवाल उठा कि यदि मदरसा बोर्ड सही ढंग से काम कर रहा होता तो ये अनियमितताएं कैसे होतीं? फिर भी धामी सरकार ने मदरसा बोर्ड को सुधार का एक लम्बा वक्त दिया, लेकिन जब देखा कि बोर्ड की मान्यता समिति 2020 से बैठक तक न कर पाई हो, तो उसकी निष्क्रियता स्पष्ट अब पूरी तरह से स्पष्ट हो गई। यही कारण है कि सरकार ने निर्णय लिया कि अब शिक्षा व्यवस्था को समुदाय विशेष की संकीर्ण चौखट से बाहर निकालकर व्यापक और समावेशी रूप दिया जाए। नया विधेयक उसी सोच का परिणाम है। अब शिक्षा का केंद्र बच्चे होंगे, न कि कोई खास धार्मिक पहचान।

पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली सरकार ने विधानसभा ने 20 अगस्त को उत्तराखंड अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान विधेयक 2025 पारित कर दिया। यह विधेयक राज्य में सिख, जैन, बौद्ध, ईसाई और पारसी समुदायों द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थानों के साथ-साथ मदरसों को भी अल्पसंख्यक दर्जे का लाभ प्रदान करेगा । सभी अल्पसंख्यक बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, यही इसका उद्देश्य है। बच्चों की प्रगति का मूल्यांकन उत्तराखण्ड बोर्ड के मानकों के आधार पर होगा और कोई भी संस्थान पारदर्शिता से समझौता नहीं कर सकेगा। यदि वित्तीय अनियमितता या सामाजिक-सांप्रदायिक सौहार्द के विरुद्ध गतिविधियां पाई गईं तो मान्यता वापस ली जा सकेगी।

मुख्यमंत्री धामी कहते हैं, केन्द्रीय छात्रवृत्ति के वितरण में अनियमितता, मध्याह्न भोजन कार्यक्रम में विसंगतियां और प्रबंधन में पारदर्शिता की कमी जैसे गंभीर मुद्दे मदरसा शिक्षा प्रणाली में वर्षों से स्पष्ट रहे हैं।÷ धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ-साथ, इस विधेयक का उद्देश्य भाषाई अल्पसंख्यकों को भी शामिल करना है। अब उत्तराखंड में गुरुमुखी और पाली भाषाओं के अध्ययन को भी आधिकारिक मान्यता मिल जाएगी। विधेयक यह भी सुनिश्चित करता है कि अल्पसंख्यक संस्थानों को शुल्क, दान, अनुदान या किसी अन्य प्रकार से प्राप्त धनराशि का दुरुपयोग न हो।

उन्होंने कहा, सभी अल्पसंख्यक समुदायों के अपने संस्थान होने चाहिए और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।÷ किसी भी प्रकार की हेराफेरी से मान्यता समाप्त हो सकती है। इन संस्थानों की निगरानी के लिए उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन किया जाएगा। संस्थानों को कुछ शर्तें पूरी करने के बाद प्राधिकरण से मान्यता प्राप्त करनी होगी। इसके साथ ही विधेयक में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि धार्मिक शिक्षा पर कोई रोक नहीं होगी। संस्थानों को अपने धार्मिक पाठ्यक्रम पढ़ाने की स्वतंत्रता होगी, बशर्ते वे राज्य शिक्षा बोर्ड के निर्धारित मानकों का पालन करें और बच्चों को मुख्यधारा की शिक्षा से न काटें। मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष तक ने इस कानून का स्वागत किया है और कहा है कि इससे मुस्लिम बच्चों को भी अवसर मिलेगा कि वे आईएएस, आईपीएस जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में आगे बढ़ें।

उत्तराखण्ड की साहसिक पहलें: असल में यह विधेयक उस सोच का विस्तार है जिसे धामी सरकार ने पिछले वर्षों में लागू किया। उत्तराखण्ड समान नागरिक संहिता लागू करने वाला पहला राज्य बना, धर्मांतरण विरोधी कानून को मजबूत किया गया और फर्जी साधुओं के खिलाफ ऑपरेशन कालनेमि चलाया गया। शिक्षा के क्षेत्र में नया विधेयक भी उसी सिलसिले की एक कड़ी है।

इस पहल को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में भी देखने की जरूरत: इस कदम को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखें तो अल्पसंख्यक शिक्षा के लिए केंद्र सरकार का वित्तीय सहयोग लगातार घट रहा है। योजनाएं पुनर्गठित हुईं, लेकिन मदरसों के लिए धनराशि 2014-15 में 194 करोड़ से घटकर 2024-25 में मात्र कुछ लाख तक सिमट गई। यह स्थिति बताती है कि अब केवल धन बांटने की नीति नहीं चलेगी। संस्थानों की जिम्मेदारी तय करनी होगी और बच्चों की शिक्षा को सर्वोपरि रखना होगा। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की रिपोर्ट भी यही कहती है कि धार्मिक संस्थानों को शिक्षा के अधिकार अधिनियम से बाहर रखने से बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित हो जाते हैं। इसलिए पहले उत्तराखण्ड सरकार ने अवैध मदरसों की छंटाई की और फिर नया कानून लाकर सभी अल्पसंख्यकों को समान अवसर दिया, जोकि एक दूरदर्शी नीति का परिचायक है। इससे शिक्षा प्रणाली में सुधार होगा, बच्चों को बेहतर अवसर मिलेगा और समाज में विश्वास बढ़ेगा।

निर्णय के केंद्र में बच्चों का भविष्य: दरअसल, अल्पसंख्यकों की पहचान को बचाते हुए उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना ही इस कानून की असली ताकत है। आज यह सवाल केवल उत्तराखण्ड का नहीं है।

पूरे देश में अल्पसंख्यक शिक्षा की स्थिति पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। क्या केवल एक समुदाय विशेष के लिए बने कानून पर्याप्त हैं? क्या अन्य अल्पसंख्यकों को अनदेखा करना न्यायोचित है? उत्तराखण्ड ने इन सवालों का जवाब अपने काम से दिया है। यह विधेयक बच्चों के भविष्य की गारंटी है। बच्चे किसी भी राष्ट्र की असली पूंजी होते हैं। यदि वे शिक्षा से वंचित रहेंगे तो समाज पिछड़ेपन से उबर नहीं सकेगा। यदि उन्हें समान अवसर मिलेगा तो वे डॉक्टर, इंजीनियर, प्रशासनिक अधिकारी, वैज्ञानिक बनकर देश का नाम रोशन करेंगे।

अन्य राज्यों के लिए ये विधेयक है प्रेरणा: इस दृष्टि से देखा जाए तो धामी सरकार का यह कदम केवल उत्तराखण्ड के बच्चों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के भविष्य के लिए निवेश है। अन्य राज्यों को भी इससे प्रेरणा लेनी चाहिए। उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में मदरसा बोर्ड हैं, लेकिन वहां भी अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के संस्थान उपेक्षित हैं। यदि वे भी उत्तराखण्ड की तरह व्यापक कानून बनाएंगे तो बच्चों के साथ न्याय होगा और शिक्षा प्रणाली अधिक पारदर्शी बनेगी। अब कहना यही है कि उत्तराखण्ड ने अल्पसंख्यक शिक्षा विधेयक के जरिए यह साबित किया है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति हो तो बदलाव संभव है। आज जरूरत है कि इस पहल को पूरे देश में फैलाया जाए और हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जाए। जिसके लिए पहल राज्य सरकारों को ही करना है।

सतह पर आते इतिहास में गुम नायक, खिलजी को हराने वाले वीर राजा पृथु

पिछले दिनों असम के मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी के एक फ्लाईओवर को राजा पृथु के नाम समर्पित किया। इसके साथ ही 13वीं सदी के कामरूप (आज के असम) के राजा पृथु के बारे में लोगों की जिज्ञासा बढ़ी। इसलिए और बढ़ी, क्योंकि इतिहास में वे गुम से हैं और व्यापक राष्ट्रीय समाज के लिए अनजान। पृथु का पूरा नाम विश्वसुंदरदेव था। वे कामरूप यानी आज के असम के महानतम शासकों में से एक थे। उन्होंने 1185 से 1228 तक शासन किया।

शिवेंद्र राणा।

यह आवश्यक है कि कोई भी समाज शत्रु-बोध के भाव का विश्लेषण करे। यह इसलिए आवश्यक है क्योंकि कभी अनजान स्रोतों से शिवाजी महाराज के बारे में मिथ्या मान्यताएं गढ़ी जाती हैं और कभी धर्मांध औरंगजेब को मंदिरों का संरक्षक बताने की चेष्टा होती है। इस पर आश्चर्य नहीं कि छद्म पंथनिरपेक्ष एवं यथास्थितिवादी वर्ग इतिहास के पुनर्लेखन का विरोधी है। पिछले दिनों असम के मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी के एक फ्लाईओवर को राजा पृथु के नाम समर्पित किया। इसके साथ ही 13वीं सदी के कामरूप (आज के असम) के राजा पृथु के बारे में लोगों की जिज्ञासा बढ़ी। इसलिए और बढ़ी, क्योंकि इतिहास में वे गुम से हैं और व्यापक राष्ट्रीय समाज के लिए अनजान। पृथु का पूरा नाम विश्वसुंदरदेव था। वे कामरूप यानी आज के असम के महानतम शासकों में से एक थे। उन्होंने 1185 से 1228 तक शासन किया।

उन्होंने अपने शासनकाल में दो आक्रांताओं- बख्तियार खिलजी और नसीरुद्दीन से लोहा लिया। नालंदा को नष्ट करने वाले खिलजी को तो उन्होंने बुरी तरह पस्त किया था। राजा पृथु जैसे न जाने कितने नायकों ने अपनी ही संततियों के समक्ष पहचान का संकट झेला। उनका विस्मरण कुछ ऐसा ही है जैसे सालार मसूद गाजी जैसे उत्पीड़क को मजार और नेजा मेले की शोहरत हासिल हो और उसके त्राण से मुक्ति दिलाने वाले राजा सुहेलदेव को शोध में तलाशने की कोशिश हो रही हो। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि इतिहास का निरूपण सदैव विजेताओं द्वारा किया जाता आया है। होना यह चाहिए था कि स्वतंत्रता के बाद भारतीय इतिहासकार अपना इतिहास अपनी दृष्टि से लिखते, लेकिन भारत में पहले इस्लामिक आक्रांताओं, यूरोपीय गौरांग महाप्रभुओं के पश्चात वामपंथियों ने इतिहास लेखन में छल किया। कथित सामासिक संस्कृति के आवरण में वामपंथी इतिहासकारों ने भारतीय इतिहास के संदर्भ और संदर्श तक दूषित कर दिए। साहित्य के

नोबेल से सम्मानित सोवियत लेखक मिखाइल शोलोखोव अपने उपन्यास 'एंड क्वाइट फ्लोज द डान' में एक कज्जाक गीत का उल्लेख करते हैं, 'हमारी धरती पर हलों की लीकें नहीं हैं।

हमारी धरती पर घोड़ों की टापों के निशान हैं और उसमें बीज नहीं, कज्जाकों के शीश बोए जाते हैं।' शोलोखोव जैसी व्यथा भारत के लोगों की भी है। आक्रांताओं के घोड़ों की टापों ने उनका वैभव नष्ट किया और उनकी संस्कृति उजाड़ने का प्रयास किया। 1947 के बाद प्राप्त स्वशासन में भी यह बौद्धिक बेईमानी विद्यमान रही। वर्तमान में इतिहास का वास्तविक निरूपण राष्ट्रीय विचारों एवं सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप किए जाने का प्रयास किया जा रहा है। इसकी एक बानगी एनसीईआरटी की किताबों में दिख रही है। इसकी जरूरत इसलिए है, क्योंकि ऐतिहासिक व्याख्याओं का आधार सांस्कृतिक मूल्यों की वैध मान्यताएं होती हैं।

आज यदि हम लचित बरफुकन, सुहेलदेव, झलकारी बाई, दलदेव महाराज, महावीरादेवी भंगी, पन्नाधाय धानुक और अब राजा पृथु जैसे विस्मृत ऐतिहासिक नायकों के चरित्र से साक्षात्कार कर रहे हैं, तो यह भारतीय समाज के सांस्कृतिक जागरण में इतिहास बोध की चेतना के प्रसार का परिणाम है। विस्मृत हुए ये नायक भारत की चैतन्य राष्ट्रीयता का संबल हैं। वर्तमान में इतिहास को नए आयाम सामाजिक-राजनीतिक आंदोलनों ने भी दिया है। ऐसे सामाजिक आंदोलन नहीं होते तो हम उपरोक्त ऐतिहासिक नायक-नायिकाओं का नाम भी नहीं जानते। कुछ समय पहले लखनऊ में अवंती बाई लोधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के लिए भाजपा और सपा नेताओं के बीच जो होड़ दिखी, वह इतिहास-बोध की चैतन्यता ही प्रमाणित करती है, भले ही पृष्ठभूमि में राजनीतिक प्रेरणा हो।

यह इतिहास बनाने नहीं, उसे जीने का संदर्भ है। यदि इतिहास का सही संदर्भों में यथार्थ निरूपण न हो तो भावी पीढ़ियों को सर सैयद अहमद खान, इकबाल आदि के बारे में वही सब पढ़ने-सुनने को मिले, जो एक खास एजेंडे के तहत लिखा और प्रचारित किया गया। क्या यह किसी से छिपा है कि अलीगढ़ मूवमेंट पाकिस्तान के निर्माण का आधार बना? इतिहास का निर्धारण उचित मानकों पर हो और वह असत्य वाचन का कारक न बने। इतिहास का तो अर्थ ही है-ऐसा ही हुआ था। वामपंथियों ने भारतीय इतिहास पर अपना एजेंडा स्थापित किया और कथित सद्भाव प्रसार के नाम पर कल्पित कथाएं रचीं। डा. राम मनोहर लोहिया कहते थे, जो कत्ल करने वालों को अपना पूर्वज माने, उसका आत्मगौरव झूठा है। यह आवश्यक है कि कोई भी समाज शत्रु-बोध के भाव का विश्लेषण करे। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि कभी अनजान स्रोतों से शिवाजी महाराज के बारे में मिथ्या मान्यताएं गढ़ी जाती हैं और कभी धर्मांध औरंगजेब को मंदिरों का संरक्षक बताने की चेष्टा होती है। इस पर आश्चर्य नहीं कि छद्म पंथनिरपेक्ष एवं यथास्थितिवादी वर्ग इतिहास के पुनर्लेखन का विरोधी है। आखिर पहले के इतिहासकारों द्वारा ऐसा क्या छुपाया गया, जिसके प्रकटीकरण से संघर्ष पैदा हो सकता है? इतिहास का यथार्थ विश्लेषण इसलिए और आवश्यक हो जाता है, ताकि दमन-अत्याचार की पीड़ा से गुजर चुका राष्ट्र अपना वास्तविक इतिहास जाने और भावी पीढ़ियों को सचेत करे, ताकि उसे पहले जैसी पीड़ा से न गुजरना पड़े। जनता की समझदारी पर संदेह करने का कोई कारण नहीं। तथ्यों को सत्यता के साथ रख दीजिए, जनता उसका विश्लेषण खुद कर लेगी। इसी संदर्भ में 30 दिसंबर, 1916 को ओहियो में गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर ने कहा था, ÷सिर्फ अपनी आदतों से मुक्ति ही नहीं, बल्कि तमाम गंदे इतिहास से मुक्ति के जरिए ही भविष्य की सभ्यता का परचम उठाया जा सकता है।

सीएम हेल्पलाइन में अधिकारी विभाग की ग्रेडिंग सुधारें : डॉ सोनवड़े

एसडीएम अपने अनुभाग में सभी विभागों के कार्यों की मानीटरिंग करें : डॉ सोनवड़े

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। डॉ सोनवड़े ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों में तथ्यपूर्ण प्रतिवेदन दर्ज करके संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें। अभी से लगातार प्रयास करेंगे तभी स्थिति में सुधार होगा। अगस्त माह की शिकायतों तथा 50 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों का निराकरण करके विभाग की ग्रेडिंग सुधारें। विभाग के ग्रेडिंग में सी और डी ग्रेड में रहने पर कार्यवाही की जाएगी। कोई भी प्रकरण लेवल-1 से बिना किसी कार्यवाही के यदि लेवल-2 पर गया तो संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। राजस्व विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, खाद्य विभाग, ऊर्जा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा ट्राईबल विभाग लंबित आवेदनों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। प्रत्येक गुरूवार को शिविर लगाकर सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण कराएं।

बैठक में डॉ सोनवड़े ने कहा कि एसडीएम अपने अनुभाग में सप्ताह में दो दिन भ्रमण करके आंगनवाड़ी केन्द्र, उचित मूल्य दुकान, स्कूल तथा अस्पतालों का निरीक्षण करें। विभिन्न विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन की सतत मानीटरिंग करें। अन्य अधिकारी भी क्षेत्र में नियमित रूप से भ्रमण करके योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करें। जिला श्रम पदाधिकारी श्रम कल्याण केन्द्र तथा मॉडल रैन बसेरा निर्माण के प्रस्ताव प्रस्तुत करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की ड्यूटी लगाकर दीवाली तक मिठाई, खोवा सहित सभी खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्रित कराएं। नमूने अमानक पाए जाने पर दण्डात्मक कार्यवाही करें। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन हर सप्ताह प्रस्तुत करें।

बैठक में डॉ सोनवड़े ने कहा कि शहर के सभी फ्लाई ओवर में सड़कों के सुधार तथा रात में प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित करें। कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग चोरहटा से रतहरा माडल रोड में यातायात को सुगम बनाने के लिए आवश्यक निर्माण कार्य कराएं। समग्र पोर्टल में हितग्राहियों के ई केवाईसी अपडेशन का कार्य तेजी से पूरा कराएं। इसमें केवल डुप्लीकेट और मृत हितग्राहियों के नाम ही पृथक करें। मुख्यमंत्री के कार्यालय तथा मुख्य सचिव जी की मानीटरिंग के आवेदनों का दो दिवस में निराकरण करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। सभी अधिकारी विभागीय समन्वय के मुद्दे टीएल बैठक में प्रस्तुत करें, जिससे इनका निराकरण किया जा सके। सभी एसडीएम तथा अन्य राजस्व अधिकारी खाद के वितरण की सतत निगरानी करें। खाद वितरण केन्द्रों में छाया-पानी की सुविधा सुनिश्चित करें।

महिला मोर्चा के द्वारा कांग्रेस पार्टी के प्रमुख राहुल गांधी का पुतला दहन कार्यक्रम कांग्रेस कार्यालय के सामने सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बिहार में कांग्रेस नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री एवं उनकी पूजनीय माता जी के बारे में अपमानजनक बातें कही गई, वहीं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा प्रदेश के महिलाओं के संबंध में कही गई निंदा योग्य बातों के विरोध में एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के माता के बारे में अभद्र टिप्पणी करने पर कांग्रेस पार्टी के विरोध में व कांग्रेस के प्रमुख राहुल गांधी का पुतला दहन कर भाजपा महिला मोर्चा द्वारा विरोध दर्ज किया गया। इस आयोजित पुतला दहन कार्यक्रम में मुख्यरूप से जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता सम्मिलित हुए एवं कार्यक्रम का नेतृत्व महिला मोर्चा जिला रीवा द्वारा किया गया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पदाधिकारी जनप्रतिनिधि एवं मातृशक्तिया उपस्थित रही। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला महामंत्री ममता गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष मनीषा पाठक, नीलू रावत, जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा साधना गुप्ता, कल्पना श्रीवास्तव, जिला महामंत्री गीता सिंह, उर्मिला द्विवेदी, साधना पटेल, विभा सिंह, मधु द्विवेदी, मुक्ति राय, अंजु गुप्ता, करूणा मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष उमाशंकर पटेल, जिला मंत्री शरद साहू, विवेक गौतम, नरेन्द्र शर्मा, संजय मिश्रा, बृजेन्द्र गौतम, राहुल मिश्रा, चन्द्रशेखर तिवारी, राजेन्द्र त्रिपाठी, जय सिंह, बुद्धसेन नापित, शिवम द्विवेदी, सूर्य प्रताप तिवारी, विवेक पाण्डेय शास्त्री, मोहित गुप्ता एवं सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट के सामने मकान में घुसा कोबरा, वन विभाग की टीम ने पकड़ा; एसडीआरएफ भी पहुंच गई

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मध्य प्रदेश के मऊगंज में कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने स्थित वार्ड क्रमांक 15 में एक कोबरा सांप घुस आया। शिवानंद तिवारी के मकान में सांप देखते ही परिवार के सभी लोग बाहर निकल गए।

प्रशासन को सूचना मिलने पर एसडीआरएफ अधिकारी चंद्र प्रकाश तिवारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने वन विभाग के रेंजर नयन तिवारी को सूचित किया। रेंजर ने सर्प विशेषज्ञ आरक्षक संदीप पटेल और उनकी टीम को तुरंत भेजा।

सर्प विशेषज्ञ पटेल ने विशेष उपकरणों से काले नाग प्रजाति के इस जहरीले सांप को पकड़ा। टीम ने कोबरा को सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया। एसडीआरएफ और वन विभाग की त्वरित कार्रवाई से किसी तरह की अनहोनी नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने दोनों विभागों के कार्य की सराहना की। यह घटना आपदा प्रबंधन दल और वन विभाग के बीच समन्वय का उदाहरण बनी।

खाद के लिए रतजगा, फिर भी खाली हाथ; महिलाएं-बच्चे सड़क पर सोए, बारिश हुई तो प्लास्टिक ओढ़ी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश के कई शहरों में खाद का संकट गहराता जा रहा है। किसानों को खाद के लिए एक दिन पहले से ही मंडी के बाहर लाइन लगाकर बैठना पढ़ रहा है।रीवा में रविवार देर रात जिले की सबसे बड़ी करहिया मंडी में तो हजारों किसान खाद लेने के लिए पहुंच गए। इनमें बच्चे से लेकर बड़े-बुजुर्ग तक शामिल थे। 200 से ज्यादा महिलाएं भी खाद के लिए अंधेरे में लाइन में बैठी नजर आईं। कई महिलाओं के गोद में बच्चे भी नजर आए। रात करीब 2 बजे तेज बारिश शुरू होने पर अचानक भगदड़ की स्थिति निर्मित हो गई। बारिश और ठंड से बचने के लिए कोई शॉल तो कोई पॉलीथिन ओढ़े नजर आया।

कुछ ने तो टीन शेड को सिर पर रख लिया। किसानों का आरोप है कि कालाबाजारी के चलते उन्हें इतना परेशान होना पड़ रहा है। खाद के लिए हजारों लोगों के पहुंचने की जानकारी लगते ही मीडिया टीम मंडी पहुंची और इन किसानों के साथ रात बिताते हुए इनकी परेशानी को जाना।

10 दिनों से खाद के लिए केंद्रों पर भटक रहे: बच्चे बारिश के कारण ठंड से बचते शॉल में लिपटे नजर आए। महिलाएं-बुजुर्ग बारिश से बचने के लिए दीवार किनारे सटकर खड़े दिखे। किसी ने चटाई तो किसी ने टीन-पॉलीथिन से खुद को ढक लिया था। कुछ किसान तो मच्छरों से बचने के लिए अगरबत्ती घुमाते रहे। कुछ लोग घर से खाना लेकर पहुंचे थे, जगह नहीं मिली तो खड़े होकर ही भोजन किया। एक किसान रस्सी लेकर आया हुआ था उसने हमारे सामने गले में रस्सी डालकर कहा कि खाद नहीं मिली तो फसल खराब हो जाएगी।

किसानों ने बताया कि वे लगातार 10-10 दिनों से खाद लेने केंद्रों पर आ रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें खाद नहीं मिली। रविवार रात से लगी लाइन सोमवार दोपहर तक और लंबी हो गई। दोपहर 12 बजते-बजते करहिया मंडी में तीन हजार से ज्यादा किसान नजर आए। परिसर से करीब 2 किमी दूर तक कहीं कदम रखने की जगह नहीं थी।

समर्थन मूल्य पर धान का पंजीयन 15 सितंबर से 10 अक्टूबर तक

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज एक सितंबर 2025. खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान का पंजीयन 15 सितंबर से 10 अक्टूबर तक किया जायेगा। कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने बताया कि निःशुल्क पंजीयन ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत तथा तहसील में स्थापित सुविधा केन्द्रों के साथ ही सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित केन्द्रों में किया जायेगा। जबकि सशुल्क पंजीयन एमपी आनलाइन कियोस्क, कामन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केन्द्र व निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबार कैफे से किया जा सकता है।

कलेक्टर ने बताया कि पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था अन्तर्गत 50 रूपये से अधिक का शुल्क नहीं लिया जाय। जिले के किसान भाइयों से अपील की गई है कि समर्थन मूल्य पर धान एवं मोटा अनाज (ज्वार, बाजरा) के विक्रय के लिये अपना पंजीयन निर्धारित तिथि तक करा सकते हैं। जो किसान पंजीयन नही करायेंगे वह अपनी उपज समर्थन मूल्य पर विक्रय नहीं कर सकेंगे।

ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन के लिए विशेष अभियान, 5 तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय संगठित व असंगठित क्षेत्रों के साथ-साथ सभी श्रेणियों के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रभावी वितरण के लिए एक डेटाबेस ई-श्रम पोर्टल के माध्यम से तैयार किया जा रहा है।

शासन द्वारा गिग/प्लेटफार्म वर्कस जैसे जोमेटो, स्विगी, ईंट श्योर, फूड पांडा, अमेजोन, फ्लिपकार्ट, बिग बॉस्केट, ग्रोफर, जेप्टों, ब्लिंकिट, बेस्ट प्राइस, मेट्रो, डी-मार्ट, ओला, उबर, जुगनू, रेपिडो आदि में कार्य करने वाले ऐसे कर्मचारियों को इस श्रेणी के श्रमिकों को संबल योजना से जोड़ा गया है। केंद्रीय बजट 2025-26 में गिग/प्लेटफार्म वर्कस को कवर करने के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के विस्तार की घोषणा की गई है। इसके अलावा उन्हें ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत किया जाएगा और पहचान पत्र प्रदान किए जाएंगे। श्रम पदाधिकारी प्रिया अग्रवाल ने बताया कि गिग / प्लेटफार्म वर्कस के ई-श्रम पोर्टल तथा संबल पोर्टल पर पंजीयन के लिए 5 सितम्बर तक विशेष पंजीकरण अभियान चलाया जा रहा है। पंजीयन ऑनलाइन लिंक के माध्यम से स्वयं रजिस्ट्रेशन कर सकते है।

विशेष कोचिंग के लिए शिक्षकों के आवेदन पत्र 8 सितम्बर तक आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय के बालक एवं कन्या छात्रावासों में प्रवेशित छात्र-छात्राओं को विशेष कोचिंग देकर मेडिकल, इंजीनियरिंग, चार्टर्ड एकाउंटेंसी एवं कंपनी सेक्रेटरी जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं में सफलता के लिए शिक्षकों का चयन किया जाएगा। प्राचार्य से प्राप्त जानकारी के अनुसार नौवीं एवं दसवीं कक्षा के लिए गणित, विज्ञान एवं अंग्रेजी विषय के स्नातक एवं न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक व बीएड योग्यताधारी शासकीय एवं अशासकीय शिक्षक तथा 11वी व 12वी कक्षा के लिए भौतिक, रसायन, गणित, जीवविज्ञान, अंग्रेजी एवं वाणिज्य समूह में बहीखाता व अर्थशास्त्र के विषय के लिए स्नाताकोत्तर एवं न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक व बीएड योग्यताधारी शासकीय व अशासकीय शिक्षक अपने आवेदन 8 सितम्बर तक जमा कर सकते हैं। इस संबंध में विस्तृत जानकारी शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

तहसील कार्यालय का बाबू दो हजार रुपए रिश्वत लेते ट्रैप

लोकायुक्त ने किया गिरफ्तार, जमीन नक्शा तरमीम कराने के एवज में मांगी थी घूस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। लोकायुक्त टीम ने सोमवार को रायपुर कर्चुलियान तहसील कार्यालय में बड़ी कार्रवाई करते हुए नायब तहसीलदार कार्यालय के बाबू को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया। आरोपी के पास दो हजार रुपए की रिश्वत राशि मिली।

लोकायुक्त डीएसपी प्रवीण सिंह परिहार ने बताया कि फरियादी चंद्रकांत पाण्डेय (48) निवासी ग्राम सिरखिरी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी जमीन के नक्शा तरमीम कराने के एवज में तहसील कार्यालय का बाबू रिश्वत की मांग रहा है। शिकायत की जांच व सत्यापन के बाद लोकायुक्त टीम ने ट्रैप की योजना बनाई।

सोमवार को कार्रवाई के दौरान नायब तहसीलदार के आधीन कार्यरत देवेंद्र साकेत को कार्यालय में ही दो हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया गया।

लोकायुक्त अधिकारियों ने बताया कि शिकायत 29 अगस्त 2025 को दर्ज कराई गई थी। इसके बाद आवेदन और सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कर टीम गठित की गई। आज ट्रैप की कार्रवाई सफलतापूर्वक पूरी की गई।

आरोपी बाबू के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन 2018) की धारा 7 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

आयुषी बनेंगी लेफ्टिनेंट, ऑल इंडिया सीडीएस की परीक्षा में हासिल की 24वीं रैंक; टेक्निकल शाखा में देशभर में एयर-1

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा की आयुषी वर्मा ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनकर रीवा और पूरे विंध्य अंचल का नाम रोशन किया है। उन्होंने प्रतिष्ठित सीडीएस परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 24 हासिल की और टेक्निकल शाखा में देशभर में प्रथम स्थान (एयर-1) प्राप्त किया। आयुषी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा रीवा के एक निजी कॉन्वेंट स्कूल से ली। उनके पिता भी उसी स्कूल में शिक्षक हैं। 12वीं कक्षा में पढ़ाई के दौरान आयुषी ने ठान लिया था कि उन्हें सेना में जाकर देश की सेवा करनी है।

कड़ी मेहनत और परिवार का सहयोग: सीडीएस परीक्षा की तैयारी में उन्होंने दिन-रात मेहनत की। उनके बड़े भाई भी एसएसबी कैंडिडेट रहे, लेकिन मेडिकल कारणों से सेना में शामिल नहीं हो पाए। बावजूद इसके उन्होंने आयुषी को हर कदम पर प्रोत्साहित किया। आयुषी का कहना है, अगर लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती।

विंध्य क्षेत्र में खुशी: आयुषी की इस ऐतिहासिक सफलता से रीवा सहित पूरे विंध्य क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। लोग उन्हें बधाइयां दे रहे हैं और सोशल मीडिया पर उनकी सराहना हो रही है। परिवार और शिक्षकों ने गर्व जताया और कहा कि आयुषी ने साबित कर दिया कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं।

ड्राइवर महासंघ की मांग 8 घंटे की ड्यूटी निर्धारित हो, 20 लाख का बीमा और वेलफेयर बोर्ड बनाया जाए; मऊगंज कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। ड्राइवर महासंघ ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय मऊगंज में अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। महासंघ के संरक्षक रामराज तिवारी के नेतृत्व में सैकड़ों चालकों ने मुख्यमंत्री के नाम यह ज्ञापन दिया। इसमें ड्राइवर वेलफेयर बोर्ड और आयोग के गठन की मांग की गई है। साथ ही 1 सितंबर को ड्राइवर दिवस घोषित करने की मांग भी रखी गई है। चालकों ने मासिक वेतन और 8 घंटे की ड्यूटी निर्धारित करने की मांग की है। दुर्घटना में मृत्यु पर 20 लाख रुपए का मुआवजा देने की मांग भी शामिल है।

अवैध वसूली को रोकने की मांग: चालकों ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर पार्किंग और शौचालय की व्यवस्था की मांग की है। स्थानीय ड्राइवरों को रोजगार में प्राथमिकता देने की मांग भी रखी गई है। परिवहन विभाग और पुलिस-चौकी स्तर पर हो रही अवैध वसूली को रोकने की मांग भी की गई है।

डाइवर्स के लिए योजना बनाने की मांग: रामराज तिवारी ने कहा कि ड्राइवर वर्ग प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक की गाड़ियां चलाता है। यह वर्ग उद्योग, खदान, परिवहन और प्रशासन को गति देता है। लेकिन आजादी के 78 साल बाद भी सरकारों ने इस वर्ग के लिए कोई ठोस योजना नहीं बनाई है।

24 घंटे काम करते, पैसा 8 घंटे का मिलता: ड्राइवरों का कहना है कि वे दिन-रात देश की अर्थव्यवस्था को गति देते हैं। उद्योग-धंधों से लेकर आम जनजीवन तक हर व्यवस्था उनकी मेहनत पर निर्भर है। फिर भी उनकी स्थिति दयनीय है। 24 घंटे की ड्यूटी के बाद भी उन्हें 8 घंटे की मजदूरी नहीं मिलती। साथ ही पुलिस, आरटीओ और टोलकर्मियों की प्रताड़ना भी झेलनी पड़ती है। महासंघ ने सरकार से अपील की है कि उनकी मांगों पर जल्द निर्णय लिया जाए। इससे ड्राइवर वर्ग को सामाजिक सुरक्षा, सम्मान और भविष्य की गारंटी मिल सकेगी।

ग्राम पंचायत सचिव निलंबित

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। एक सितंबर 2025. मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर ने नईगढ़ी जनपद अन्तर्गत ग्राम पंचायत गेरूआरी के सचिव दिनेश प्रसाद चतुर्वेदी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

आनलाइन शिकायत में शिकायतकर्ता राजकुमारी द्वारा लेख किया गया था कि नल जल योजनान्तर्गत एक वर्ष से पानी नहीं दिया जा रहा है। सचिव द्वारा तत्संबंध में प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नईगढ़ी के प्रस्ताव पर सीईओ जिला पंचायत द्वारा सचिव को निलंबित कर मुख्यालय जनपद कार्यालय नईगढ़ी नियत किया गया है।

उज्जैन में 1 करोड़ के आभूषण वाले सेठ गणेश, पंडाल को ज्वेलरी दुकान जैसा बनाया

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन के पटनी बाजार स्थित पंडाल को सोने-चांदी की दुकान और भगवान गणेश को व्यापारी के रूप में दर्शाया गया है। उन्हें एक करोड़ रुपए से अधिक के सोने के आभूषण पहनाए गए हैं। नोट गिनने की मशीन, बही-खाता, तौल-कांटा, लैपटॉप-कैलकुलेटर भी रखा

इस पंडाल में भगवान गणपति नोट गिनने की मशीन, बही-खाता, तौल कांटा, लैपटॉप, केलकुलेटर लेकर विराजमान हैं। गणेश उत्सव के अंतिम तीन दिन रिद्धि-सिद्धि के दाता को 3 करोड़ रुपए से अधिक के आभूषणों से सजाया जाएगा।

सराफ यूथ फेडरेशन के 100 व्यापारियों ने मिलकर यह पंडाल बनाया है। फेडरेशन ने रविवार से भगवान का श्रृंगार शुरू किया है और पहले ही दिन एक करोड़ रुपए की ज्वेलरी से सजाया है।सुरक्षा के लिए पंडाल के आसपास 32 कैमरे और अंदर 2 कैमरे लगाए गए हैं। दो सशस्त्र सुरक्षाकर्मी पूरे समय पहरा देते हैं।

इन आभूषणों से भगवान का पंडाल दमक रहा है। फेडरेशन अध्यक्ष प्रशांत सोनी ने बताया कि व्यापारियों ने भगवान के पंडाल को सजाने के लिए बड़ी मात्रा में ज्वेलरी दी है। आज भगवान को सोने के हार, कड़े, कान के बाले, चेन सहित अन्य आभूषण अर्पित किए हैं।

शाम 6 से रात 12 बजे तक होंगे बप्पा के दर्शन : फेडरेशन अध्यक्ष प्रशांत सोनी के मुताबिक रोज शाम 6 से रात 12 बजे तक सोने के आभूषण से श्रृंगार के दर्शन होंगे। रात को शयन आरती के बाद सभी ज्वेलरी निकाल कर अपने पास रख लेते हैं। भगवान गणेश के विसर्जन के बाद सभी व्यापारियों को उनके आभूषण लौटा दिए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि 3 से 5 सितंबर तक 3 करोड़ रुपए से अधिक के सोने की ज्वेलरी से भगवान गणेश का पंडाल सजेगा। बता दें कि पिछले साल श्री गणेश का 11 लाख रुपए के नोटों से श्रृंगार किया था। जांच के अगले चरण में, एडिशनल एसपी आरआई सौरभ कुशवाहा, उनकी पत्नी और अन्य स्टाफ से भी पूछताछ कर उनके बयान दर्ज कर सकते हैं। फिलहाल, जांच अधिकारी ने गोपनीय जानकारी होने के चलते मामले के संबंध में कोई भी जानकारी सार्वजनिक नहीं की है।

सेठ बनाया ताकि भगवान समझ सकें परेशानी : प्रशांत सोनी ने बताया कि भगवान को साहूकार का स्वरूप इसलिए दिया है, ताकि भगवान भी समझें कि टैरिफ और सोने के भाव में रोजाना हो रहे उतार-चढ़ाव से व्यापार करने में कितनी दिक्कत हो रही है। इसीलिए उनको ज्वेलरी शॉप जैसे पंडाल पर बैठाया गया है।

पंडाल की सुरक्षा के भी पर्याप्त इंतजाम किए गए : प्रशांत सोनी ने बताया कि कीमती आभूषणों की सुरक्षा के लिए पंडाल के आसपास 32 और अंदर दो सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। दो सशस्त्र सुरक्षाकर्मी पूरे समय पहरा देते हैं। दो पुलिसकर्मी भी सुरक्षा के लिए मांगे हैं। शाम को गर्मी कम होते हो श्रद्धालुओं के शिवड़ोले में पहुंचना लगातार जारी है। भीड़ का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। कलेक्टर भव्या मित्तल ने झांकियां के साथ व्यस्थाओं का मुआयना किया। उन्होंने झांकियां समय से डोला मार्ग बढ़ाने के प्रति झांकी अखाड़ा समितियां को कहा। धूप कम होते ही श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही शिव डोला में धूप कम होते ही श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

रायसेन में उफनती नदी में पलटा गैस टैंकर, चालक-क्लीनर ने कूदकर बचाई जान; पुलिया पर 2-3 फीट तक भरा था पानी

रायसेन, एजेंसी । रायसेन में रविवार रात एक गैस टैंकर नदी में पलट गया। हादसा सिलवानी के बम्होरी देवनगर मार्ग पर हुआ। टैंकर भोपाल की ओर जा रहा था इसी दौरान बम्होरी से छीतापार गांव की ओर बढ़ रहा था। इक्यावन नदी की पुलिया पर करीब 2 से 3 फीट पानी भरा था। चालक को पानी की सही गहराई का अंदाजा नहीं था।

पुलिया से नीचे उतरकर पलटा टैंकर : चालक ने लापरवाही बरतते हुए गैस सिलेंडर से भरे टैंकर को उफनती नदी में उतार दिया। टैंकर पुलिया पार भी नहीं कर पाया और नीचे उतरकर पलट गया। चालक और क्लीनर ने तुरंत टैंकर से छलांग लगा दी। दोनों ने मुश्किल से अपनी जान बचाई। घटना बम्होरी थाना क्षेत्र की है। हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। प्रशासन मौके पर पहुंच घटना के विषय में जानकारी लेकर जांच की जा रही है

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में खत्म हुआ हाथी महोत्सव, 8 दिन तक दावत और आराम; अब काम पर लौटेंगे सभी 7 हाथी

नर्मदापुरम, एजेंसी । नर्मदापुरम के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में रविवार को 8 दिन चला हाथी महोत्सव खत्म हो गया। 24 अगस्त से शुरू हुए इस पुनर्यौवनीकरण शिविर में हाथियों को केवल आराम कराया गया और उनकी पसंदीदा दावत परोसी गई। सोमवार से सभी 7 हाथी फिर से अपने काम पर लौटेंगे। समापन अवसर पर अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) एल. कृष्णमूर्ति पहुंचे। इस दौरान 7 हाथियों के महावत और चारा कटरों को प्रशस्ति पत्र, वर्दी, हेलमेट, जूते, प्रेशर कुकर, बैग, मोबाइल पाउच और रेनकोट देकर सम्मानित किया गया।

8 दिन तक मिला पूरा आराम : फील्ड डायरेक्टर राखी नंदा ने बताया कि महोत्सव मढ़ई में लगाया गया था। इस दौरान न तो हाथियों से कोई काम लिया गया और न ही जंगल भ्रमण कराया गया। उन्हें गन्ना, केला, गुड़, नारियल, पपीता, चना और रोटी जैसी पसंदीदा चीजें खिलाई गईं।

रोजाना स्नान और मालिश, डॉक्टर ने जांची सेहत : हाथियों को रोज नदी में स्नान कराया गया और नीम तेल से पैर व सिर की मालिश की गई। डॉक्टर गुरुदत्त शर्मा ने महोत्सव के दौरान हाथियों की सेहत की जांच की। समापन कार्यक्रम संचालक राखी नंदा, वनमंडलाधिकारी नर्मदापुरम मयंक गुर्जर, उप संचालक ऋषिभा नेताम, एसडीओ अंकित जामोद और रेंजर राहुल उपाध्याय समेत पूरा वन विभागीय स्टाफ मौजूद रहा।

खरगोन में एसपी की पिटाई मामले में जांच तेज, बुरहान पुरएएसपी ने 5 घंटे से ज्यादा की पूछताछ; पत्नी के भी बयान लिए

खरगोन, एजेंसी। खरगोन में कुत्ते को घुमाने को लेकर पुलिस आरक्षक राहुल चौहान के साथ रक्षित निरीक्षक (आरआई) सौरभ कुशवाहा की कथित मारपीट के मामले की जांच तेज हो गई है। मामले की उच्च स्तरीय विभागीय जांच कर रहे बुरहानपुर के एडिशनल एसपी अंतर सिंह कनेश रविवार को खरगोन पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले जिला अस्पताल पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज खंगाले और घटना से संबंधित जानकारी जुटाई। जांच अधिकारी कनेश ने रात में एनवीडीए रेस्ट हाउस में पीड़ित आरक्षक राहुल चौहान और उनकी पत्नी जयश्री से लंबी बातचीत की। यह बातचीत 5 घंटे से ज्यादा समय तक चली, जिसके बाद उनके बयान दर्ज किए गए।

आरक्षक का एक वीडियो वायरल हुआ था: यह मामला तब सामने आया था जब आरक्षक राहुल चौहान का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने मारपीट का आरोप लगाया था। इस घटना के बाद कोई कार्रवाई न होने पर पहले जयस और फिर सर्वदलीय आदिवासी समाज ने विरोध प्रदर्शन किया था। बढ़ते दबाव के बाद डीआईजी सिद्धार्थ बहुगुणा ने मामले की जांच बुरहानपुर एडिशनल एसपी अंतर सिंह कनेश को सौंपी थी।

सीहोर में सड़क चौड़ीकरण के दौरान बड़ी लापरवाही,जेसीबी से फूटी मुख्य पेयजल लाइन; हजारों लीटर पानी बर्बाद

सीहोर, एजेंसी। सीहोर के सबसे व्यस्त मार्गों में से एक, मछली पुल से स्टेशन रोड तक की सड़क का चौड़ीकरण कार्य शुरू होते ही बड़ी लापरवाही सामने आई है। निर्माण कार्य के दौरान हुई खुदाई में नगर पालिका की मुख्य पेयजल सप्लाई लाइन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे हजारों लीटर पानी बर्बाद हो गया। शहर में लगातार बढ़ते यातायात के दबाव को देखते हुए इस महत्वपूर्ण मार्ग को चौड़ा करने का काम नगर पालिका परिषद द्वारा कराया जा रहा है। इसी क्रम में जब खुदाई का काम शुरू किया गया, तो कर्मचारियों की लापरवाही से पेयजल की मुख्य लाइन टूट गई। लाइन टूटते ही सड़क पर पानी का फव्वारा फूट पड़ा और देखते ही देखते यह पानी सड़क पर बहने लगा।

एजेंसी की लापरवाही : बताया जा रहा है कि यह पाइपलाइन शहर के कई हिस्सों में पानी की सप्लाई करती है, लेकिन निर्माण एजेंसी की लापरवाही से पहले ही दिन पानी की बर्बादी शुरू हो गई। इस घटना से न केवल हजारों लीटर पानी बर्बाद हुआ है, बल्कि इस मार्ग से जुड़े इलाकों में जलसंकट की स्थिति भी बन सकती है। इस घटना ने एक बार फिर नगर पालिका के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और कर्मचारियों की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल, टूटी हुई लाइन की मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है, लेकिन इस लापरवाही पर कोई भी अधिकारी कुछ कहने को तैयार नहीं है।

ट्रेन से गायब हुई महिला का शव मिला कैंसर पेशेंट पति का इलाज कराने भोपाल से मुंबई गई थीं लौटते समय रास्ते में लापता हुईं

खंडवा, एजेंसी। खंडवा जिले में रविवार सुबह रेलवे ट्रैक किनारे एक महिला का शव मिला। मृतका की पहचान भोपाल निवासी 42 वर्षीय मालती गुर्जर के रूप में हुई। वह परिवार के साथ मुंबई से भोपाल लौट रही थीं। रात दो बजे परिजनों की नींद खुली तो महिला ट्रेन से गायब थी। सुबह करीब 11 बजे उनका शव खंडवा स्टेशन से 500 मीटर पीछे गणगौर घाट के पास मिला।

ट्रेन में सफर के दौरान हुई लापता : मालती गुर्जर शनिवार रात अपने पति और सास के साथ मुंबई से भोपाल लौट रही थीं। परिवार सो रहा था, तभी रात में महिला गायब हो गई। तब तक ट्रेन हरदा स्टेशन पहुंच चुकी थी। परिजनों ने रिश्तेदारों को सूचना दी, जिसके बाद खंडवा में मौजूद परिजनों ने तलाश शुरू की। महिला का शव मिलने पर जीआरपी ने परिजनों से शिनाख्त कराई। शव को जिला अस्पताल की मॉर्चुयरी में रखा गया और भोपाल से आए रिश्तेदारों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम किया गया।

पति कैंसर मरीज, इलाज कराने गए थे मुंबई : भाजपा उपाध्यक्ष नंदन करोड़ी ने बताया कि मालतीबाई उनकी रिश्तेदार थीं। उनके पति कैंसर से पीड़ित हैं और इलाज के लिए परिवार मुंबई गया था। वहीं उनका बेटा सीए है। शनिवार रात परिवार भोपाल लौट रहा था। हादसा कैसे हुआ, यह किसी को पता नहीं चल पाया।

समाजजनों ने दी अंतिम विदाई : घटना की जानकारी पर भाजपा नेता सेवादास पटेल, नंदन करोड़ी, श्रीराम पटेल सहित गुर्जर समाज के लोग जिला अस्पताल पहुंचे। शव को भोपाल ले जाने के लिए डॉ. शिवशंकर गुर्जर ने एंबुलेंस उपलब्ध कराई।

तेज बारिश, ग्रामीण क्षेत्र जलमग्न, पुलिया धंसी; नदी-नाले उफान पर, पिछले 24 घंटे में 1.96 इंच बारिश दर्ज

रतलाम, एजेंसी। रतलाम जिले में सोमवार सुबह से तेज बारिश का दौर जारी है। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन गई है। ग्रामीण रास्ते बंद हो गए हैं, वहीं रतलाम के उसरगार से अमलेटा जाने वाले मार्ग पर पुलिया धंस गई है। जिले की नदियाँ और नाले उफान पर हैं, जिससे आवागमन प्रभावित हुआ है। शहर की कॉलोनियों में जलभराव हुआ है। हनुमान ताल लबालब हो चुका है। लगातार बारिश से ठंडा मौसम बना हुआ है और लोगों को निकलने में परेशानी हो रही है।

जिले में बारिश का आंकड़ा : गत 24 घंटों में जिले में कुल 1.96 इंच बारिश हुई। विभिन्न स्थानों पर बारिश का आंकड़ा...

- सैलाना: 2.44 इंच
- रावटी: 1.94 इंच
- पिपलोदा: 1.65 इंच
- जावरा: 1.61 इंच
- रतलाम: 1.52 इंच
- बाजना:1.26 इंच
- आलोट: 1.02 इंच

कुल औसत वर्षा 38.69 इंच दर्ज

01 जून से अब तक जिले में कुल औसत वर्षा 38.69 इंच दर्ज की गई है। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि (36.15 इंच) से लगभग 2.54 इंच अधिक है। जिले की सामान्य औसत वर्षा 36.13 इंच है, जो इस साल पूरा हो चुका है।

नदी-नाले और पुलिया प्रभावित : बारिश के कारण नदी और नाले उफान पर हैं। पुलियाओं पर पानी भर गया है और कई मार्गों पर आवागमन बाधित हुआ है। रतलाम से अमलेटा जाने वाले रेलवे अंडरब्रिज में पानी भर गया है। जावरा के सरसी गांव में भी नदी का पानी रास्ते पर आ गया है। ग्रामीण इलाकों में सड़कों पर पानी जमा होने से है।

खिलचीपुर में गणेश उत्सव का पांचवां दिन, बच्चों ने सजाई आकर्षक झांकी; 56 भोग अर्पित किए

राजगढ़, एजेंसी। राजगढ़ के खिलचीपुर में गणेश उत्सव के पांचवें दिन रविवार रात माता मण्ड के पास पैलेस रोड पर भगवान गणेश की विशेष झांकी सजाई गई। बाल गोपाल समिति के बच्चों ने इस अवसर पर 56 प्रकार के भोग, मिठाइयां, पकवान और केक अर्पित कर उत्सव में अलग रंग भर दिया। बच्चों ने अपने-अपने घरों में अलग-अलग व्यंजन तैयार करवाए और माता-पिता के साथ मिलकर भगवान गणेश के सामने अर्पित किए। शाम साढ़े 8 बजे झांकी के दर्शन खुले। इसके बाद आरती हुई, जिसमें वार्ड के बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। आरती के दौरान पूरा पांडाल गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से गूंज उठा। आरती के बाद श्रद्धालुओं को 56 भोग की प्रसादी वितरण की गई।

समिति में 5 से 14 साल तक के बच्चे शामिल हैं : बाल गोपाल समिति के अध्यक्ष रक्षित सिंगी(14) ने बताया कि समिति में 5 से 14 साल तक के बच्चे शामिल हैं। उन्होंने कहा, हमारी समिति का नाम बाल गोपाल इसलिए रखा गया है क्योंकि इसमें सभी छोटे बच्चे हैं। हमने पहली बार भगवान गणेश की स्थापना और झांकी सजाई है। आगे हर साल और आकर्षक झांकी बनाने का प्रयास करेंगे। झांकी में फूलों की सजावट, रंगीन रोशनी और बच्चों की मेहनत देखने लायक रही। लोगों ने बच्चों के उत्साह की सराहना की और कहा कि इतने छोटे बच्चों ने मिलकर गणेश उत्सव को खास बना दिया।

रामपाल की किताबें बेच रही महिलाओं पर एफआईआर, युवक ने कहा- धर्मस्थलों पर नहीं जाने और उपवास नहीं रखने की सलाह दी

इंदौर, एजेंसी । इंदौर में धार्मिक भावना आहत करने के मामले में 2 महिलाओं के खिलाफ स्वद्धक्र दर्ज की है। ये महिलाएं एक युवक को जबदस्ती कथित बाबा रामपाल की किताबें खरीदने के लिए प्रोत्साहित कर रही थी। युवक अनुकूल इंगले की शिकायत पर रावजी बाजार पुलिस ने समाजवाद नगर निवासी निर्मला हार्डिया और रेणुका हार्डिया पर रविवार को एफआईआर की है। दोनों महिलाओं को हिरासत में ले लिया है। अनुकूल ने पुलिस को बताया कि मैं क्षत्रिय धर्मशाला के पास से निकल रहा था। तभी दो महिलाएं मेरे पास पहुंची। उन्होंने ज्ञान गंगा नाम की किताब लेने की बात कही। इस किताब में पेज नंबर 9 पर लिखा था कि धार्मिक स्थानों पर जाना निषेध है। उपवास नहीं रखना चाहिए। गंगा स्नान भी नहीं करना चाहिए।

उफनते रपटे से निकाली बाइक, गर्भवती पत्नी बही; पति पर केस सागर की सुखचैन नदी पर हादसा, 2 दिन बाद मिला था शव

सागर, एजेंसी। सागर में पत्नी के नदी में बह जाने पर पति के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस फिलहाल परिजन के बयान दर्ज कर रही है। हादसा सागर जिले के देवरी में 29 जुलाई का है। पत्नी का शव 31 जुलाई को मिला था। महिला पांच महीने की गर्भवती थी।

पुलिस के मुताबिक, 29 जुलाई को नागपंचमी पर वंदना साहू (28), उसका पति दशरथ साहू और ननद कविता साहू बाइक से रामघाट मंदिर गए थे। लौटते वक्त बारिश होने लगी। सुखचैन नदी पर बने रपटा (पुल) से निकालते समय बाइक फिसल गई और वंदना नदी में गिर गई। वह तेज बहाव में बह गई।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीईआरएफ ने सर्चिंग शुरू की। वंदना नहीं मिली तो जबलपुर से एनडीआरएफ की टीम बुलाकर तलाशा गया। दो दिन बाद पचासिया गांव के पास वंदना का शव मिला। पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम कराया था।पुलिस ने रात में घर सील कर दिया। सोमवार सुबह मामले की जांच शुरू की गई।

वंदना साहू

संतोष ने बताया कि अनीता सिंदूर की दुकान चलाती थी। उसके पति की करीब 15 साल पहले बीमारी से मौत हो गई थी। दो बेटे हैं। बड़ा मुंबई में नौकरी करता है, छोटा बेटा अपनी बुआ के साथ राजस्थान में रहता है।

पुलिस का कहना है कि घटनास्थल पर संघर्ष के निशान मिले हैं। आशंका है कि आरोपी से महिला की हाथापाई हुई है। इसके बाद उसकी हत्या की गई है।

परिजन, पड़ोसियों और दोस्तों के बयान लिए : नवविवाहिता की मौत का मामला होने के कारण देवरी एसडीओपी शशिकांत सरयाम ने जांच की। वंदना के मायके, ससुराल, पड़ोसियों और दोस्तों के बयान लिए गए। घटनास्थल का मुआयना किया गया। जांच में साफ हो गया कि दुर्घटना दशरथ की लापरवाही के कारण हुई है। इसके बाद पुलिस ने रविवार को उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया।के नरेला शंकरी में किराए के कमरे में रहता था। रविवार को उसने आखिरी बार परिजन से फोन पर बात की थी। इसके बाद सोमवार को सुबह जब उसे कॉल किए गए तो फोन नहीं उठाए। तब परिजनों ने चेक करने दोस्तों को उसके रूप पर भेजा।

टीआई महेश लिल्होरे ने बताया कि फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। मामले की जांच की जा रही है। परिजन और करीबियों के फिलहाल बयान दर्ज नहीं किए जा सके हैं।पहचान सत्यापित होने के बाद उपनिरीक्षक संध्या चौधरी की देखरेख में सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर युवती को सुरक्षित माता के सुपुर्द किया गया। आरपीएफ ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा और मानव सेवा के लिए बल हर समय तत्पर है। इस घटना ने एक बार फिर साबित किया कि रेलवे सुरक्षा बल केवल कानून-व्यवस्था ही नहीं, बल्कि जरूरतमंदों की मदद में भी अग्रणी है।

चार साल पहले शादी हुई थी : वंदना सागर में सानौधा थाना इलाके के गांव की रहने वाली थी। करीब चार साल पहले उसकी दशरथ से शादी हुई थी। दंपती की 8 महीने की बच्ची है। मौत के वक्त वंदना 5 महीने की गर्भवती थी।

श्रीसंत को थप्पड़ वाला वीडियो लीक होने पर हरभजन की पहली प्रतिक्रिया, ललित मोदी को लताड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट जगत के सबसे विवादास्पद पलों में से एक, स्लैप-गेट का वीडियो अचानक सामने आने से एक बार फिर चर्चा का तूफान उठ गया है। इस घटना में हरभजन सिंह ने एस. श्रीसंत को आईपीएल 2008 के दौरान हाथ पर थप्पड़ मारा था, एक पल जिसने उस सीजन और क्रिकेट इतिहास दोनों में गहरी छाप छोड़ी। लेकिन इस बार चर्चा का केंद्र बने वीडियो को लीक करने वाले पूर्व ढ्ढक्क चेयरमैन ललित मोदी पर हरभजन ने चुप्पी तोड़ दी है। भज्जी ने इंस्टेंट बॉलीवुड पेज से स्पष्ट शब्दों में कहा, 18 साल पुराना वीडियो बाहर लाना गलत है। यह किसी स्वार्थी मकसद से किया गया है। लोग इसे भूल चुके थे और अब फिर से उनकी यादों को ताजा किया जा रहा है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि वह उस घटना को पीछे छोड़कर आगे बढ़ चुके हैं और इस तरह से बार-बार मुद्दा उठाना केवल असुविधा का कारण ही बनेगा।

हरभजन कई बार यह स्वीकार कर चुके हैं कि वह उस घटना को लेकर बेहद शर्मिंदा हैं। उन्होंने श्रीसंत से थप्पड़ मारने के लिए कई मौकों पर माफी मांगी है और अब दोनों के बीच सब कुछ सामान्य है। लेकिन ललित मोदी द्वारा 18 साल पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर जारी करने के बाद यह प्रकरण एक बार फिर क्रिकेट फैंस की यादों में ताजा हो गया। हरभजन ने कहा, जो हुआ उसके लिए मुझे बुरा लगता है। हम खेल रहे थे और हर किसी के दिमाग में कई बातें चल रही थीं। गलती हुई और हमें उसका अफसोस है। हां, वीडियो वायरल हो चुका है। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी और मैंने कई बार कहा है कि मैंने गलती की। इंसान से गलतियां होती हैं और मुझसे भी हुई। मैंने भगवान गणेश से प्रार्थना की है कि अगर मुझसे फिर कभी गलती हो तो वह मुझे माफ करें। गलतियां इंसान से ही होती हैं।

गौरतलब है कि आईपीएल 2008 में 'स्लैपगेट' विवाद के बाद हरभजन को 11 मैचों के लिए निलंबित कर दिया गया था। वहीं श्रीसंत की पत्नी भुवनेश्वरी ने इस लीक पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा, यह अमानवीय, बर्बर और शर्मनाक है। यह सिर्फ ध्यान आकर्षित करने के लिए किया गया एक सस्ता कदम है। हमारे परिवार और बच्चों को फिर से दर्दनाक यादों का सामना करना पड़ रहा है। उस समय के मैच रेफरी फारुख इंजीनियर ने भी नाराजगी जताई और कहा, मैंने इस घटना को गंभीर जिम्मेदारी और गुप्तता के साथ संभाला था। मुझे उम्मीद नहीं थी कि यह वीडियो कभी बाहर आएगा।

इस बीच वरिष्ठ क्रिकेट विश्लेषक हर्षा भोगले ने भी अपनी राय रखते हुए कहा, उस वक्त क्चष्टष्ठ और ढ्ढक्क ने वीडियो को छुपाया ताकि टूर्नामेंट और खिलाड़ियों की छवि पर आंच न आए। यही वजह थी कि 17 साल तक यह फुटेज सार्वजनिक नहीं किया गया। यह विवाद केवल एक पुराने झगड़े की याद नहीं, बल्कि यह सवाल भी खड़ा करता है कि क्या खेल और खिलाड़ियों की छवि को सुरक्षित रखने के नाम पर पारदर्शिता से समझौता किया जा सकता है? जहां हरभजन जैसे दिग्गज अपने किए पर पछतावा जता चुके हैं।

जापान की अकाने यामागुची ने तीसरी बार जीता बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस में खेले गए बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप के महिला एकल फाइनल में जापान की अकाने यामागुची ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन की पूर्व विश्व नंबर-1 चेन यूफेई को सीधे सेटों में 21-9, 21-13 से हराकर तीसरी बार विश्व खिताब अपने नाम किया। पांचवीं वरीयता प्राप्त यामागुची ने महज 37 मिनट में मुकाबला समाप्त कर 2021 और 2022 के बाद अपना तीसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। मैच के दौरान वह पूरी तरह आत्मविश्वास से भरी नजर आईं और अपने प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया। चीन की टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चेन यूफेई ने सेमीफाइनल में शीर्ष वरीय और मौजूदा चैम्पियन दक्षिण कोरिया की आन से-यंग को हराया था। हालांकि, इस दौरान उनके टखने में चोट लग गई थी और फाइनल में उनकी मूवमेंट पर इसका असर साफ दिखाई दिया। यामागुची ने पहले गेम में पूरी तरह दबदबा बनाए रखा और दूसरे गेम में अंतराल के बाद लगातार अंक जुटाकर जीत सुनिश्चित कर ली। यह चेन का दूसरा विश्व चैम्पियनशिप रजत पदक है। इसी टूर्नामेंट में मलेशिया की चौथी वरीय जोड़ी चेन टांग जी और तोह ई वी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन की दूसरी वरीय जोड़ी जियांग झेनबांग और वेई याक्सिन को 21-15, 21-14 से मात देकर मिक्स्ड डबल्स का खिताब अपने नाम किया। वहीं पुरुष एकल फाइनल में चीन के विश्व नंबर-1 शी यूकी और मौजूदा चैम्पियन थाईलैंड के कुनलावुत वितिद्सर्न के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाएगा।

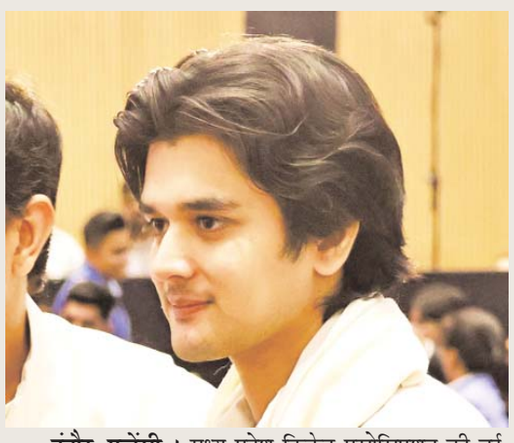

आपसी सहमति से घोषित हो जाएगी एमपीसीए की कार्यकारिणी, महाआर्यमन होंगे अध्यक्ष

इंदौर, एजेंसी । मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी छह साल बाद बदलने जा रही है। इस बार सभी नए चेहर अलग-अगल पद संभालेंगे। पहली बार एमपीसीए अध्यक्ष पद पर सबसे कम उम्र के महाआर्यमन सिंधिया पद संभालेंगे। उनकी उम्र 29 साल है। उन्होंने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन फार्म दाखिल किया। उन्हे इस पद पर अन्य किसी सदस्य ने चुनौती नहीं दी। वे सिंधिया परिवार की तीसरी पीढ़ी के रुप में इस पद की कमान संभालेंगे। वे वर्ष 2022 से ग्वालियर संभागीय क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष भी है। 2 सितंबर को एसोसिएशन की वार्षिक साधारण सभा में कार्यकारिणी के नामों की घोषणा हो जाएगी। महाआर्यमन के अलावा कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद पर विनीत सेठिया,सचिव सुधीर असनानी, कोषाध्यक्ष संजय दुआ भी लगभग तय है। कार्यकारिणी सदस्य में राजीव रिसोडकर, प्रसुन कनमड़ीकरण, विजेस राणा व संध्या अग्रवाल के नाम भी तय हैं। कोषाध्यक्ष बनने वाले संजय दुआ के पिता नरेंद्र दुआ और भाई एमपीसीए के सदस्य हैं। उपाध्यक्ष के पद पर काबिज होने वाले विनित सेठिया के पिता महेंद्र सेठिया भी एमपीसीए के सदस्य रहे हैं। नई कार्याकारिणी के बाद स्टेडियम में होंगे महिला वर्ल्ड कप मैच एमपीसीए की नई कार्यकारिणी घोषित होने के बाद इंदौर के होलकर स्टेडियम में महिला वर्ल्ड कप के छह से ज्यादा मैच होंगे। पिछली कार्यकारिणी के दौरान भी इंदौर स्टेडियम को आईपीएल मैच मिले, लेकिन टिकट और प्रॉपर्टी टैक्स को लेकर एसोसिएशन के नगर निगम अफसरों से विवाद भी हुए।

ओवल इनविंसिबल्स ने तीसरी बार जीता द हंड्रेड खिताब

लंदन, एजेंसी। ओवल इनविंसिबल्स ने लगातार तीसरी बार 'द हंड्रेड' का खिताब अपने नाम किया। रविवार रात खेले गए फाइनल में उन्होंने ट्रेंट रॉकेट्स को 26 रन से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। टीम की जीत के नायक रहे विल जैक्स (72 रन) और नाथन सोउटर (3/25), जिन्होंने निर्णायक प्रदर्शन किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए इनविंसिबल्स ने 168/5 का स्कोर खड़ा किया। विल जैक्स ने 41 गेंदों में 7 चौके और 4 छक्कों की मदद से 72 रन बनाए, जबकि जॉर्डन कॉक्स ने 40 रन जोड़े। दोनों के बीच 87 रनों की अहम साझेदारी हुई। हालांकि, आखिरी ओवरों में रॉकेट्स के गेंदबाजों ने शानदार वापसी की और सिर्फ 25 रन ही दिए, जिससे इनविंसिबल्स बड़ा स्कोर बनाने से चूक गए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉकेट्स की शुरुआत धीमी रही। पावरप्ले में उन्होंने 32 रन बनाए लेकिन नाथन सोउटर ने मिडिल ओवर्स में कहर ढा दिया। उन्होंने जो रूट (10) को आउट करने के बाद रेहान अहमद और टॉम बैंटन को भी चलता किया। इससे रॉकेट्स का स्कोर 37/3 हो गया।

इसके बाद डेविड विली और मार्कस स्टोइनिस ने पारी को संभालने की कोशिश की। स्टोइनिस ने शानदार 64 रन (38 गेंद) बनाए और आखिरी तक जूझते रहे। रॉस व्हाइटली ने भी उनका साथ दिया और दोनों ने 38 रन की साझेदारी की, लेकिन रन रेट का दबाव भारी पड़ गया। आखिरी ओवर में 33 रन की दरकार थी, जो संभव नहीं हो सका और पूरी टीम 142/8 तक ही पहुंच सकी।

संक्षिप्त स्कोरकार्ड- ओवल इनविंसिबल्सः 168/5 (विल जैक्स 72, जॉर्डन कॉक्स 40; मैट कार्टर 2/24)

ट्रेंट रॉकेट्सः 142/8 (मार्कस स्टोइनिस 64; नाथन सोउटर 3/25, साकिब महमूद 2/22) परिणामः ओवल इनविंसिबल्स 26 रन से विजयी।

कप्तान नितीश राणा की ऑलराउंड चमक से वेस्ट दिल्ली लायंस ने जीता डीपीएल 2025 खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2025 के रोमांचक फाइनल में वेस्ट दिल्ली लायंस ने सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 6 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। टीम के कप्तान नितीश राणा एक बार फिर संकटमोचक बने और नाबाद 79 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को विजेता बनाया।

174 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्ट दिल्ली लायंस की शुरुआत खराब रही। सिमरजीत सिंह और अरुण पुंडीर ने शुरुआती झटके देकर टीम को 48/3 पर पहुंचा दिया। दबाव के इस मौके पर कप्तान राणा ने जिम्मेदारी संभाली और पहले मयंक गुसाईं के साथ 42 रनों की साझेदारी की। गुसाईं (15 रन, 11 गेंद) तेजस बारोका का शिकार बने, लेकिन राणा तब तक मैच पर पकड़ बना चुके थे।

इसके बाद राणा को रितिक शौकीन का साथ मिला और दोनों ने नाबाद साझेदारी कर जीत पक्की कर दी। शौकीन ने संयम से खेलते हुए 42* (27 गेंद) बनाए, जबकि राणा ने नियंत्रित आक्रामकता दिखाते हुए लगातार चौके-छक्कों से स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाया। दोनों की अटूट साझेदारी ने सेंट्रल दिल्ली किंग्स के गेंदबाजों को पूरी तरह बेअसर कर दिया और टीम को खिताबी जीत दिलाई।

इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी कर 20 ओवरों में 173/7 रन बनाए। एक समय टीम 78/6 पर जूझ रही थी, लेकिन युगल सैनी और प्रांशु विजयरण ने 78 रनों की अहम साझेदारी कर मैच का रुख बदल दिया।

युगल सैनी ने 65 (48 गेंद) की धैर्यपूर्ण पारी खेली, जबकि प्रांशु विजयरण ने मात्र 24 गेंदों पर नाबाद 50 रन ठोककर आखिरी ओवरों में धूम मचा दी। गेंदबाजी में वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए मनन भारद्वाज ने 3 ओवर में 2/11 के आंकड़े के साथ शानदार प्रदर्शन किया। शिवांक वशिष्ठ ने भी 2 ओवर में 2/12 झटके। कप्तान नितीश राणा ने गेंद से भी योगदान दिया और 4 ओवर में सिर्फ 16 रन देकर 1 विकेट हासिल किया।

टोक्यो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025, नीरज चोपड़ा भारत की 19 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगे; अविनाश साबले बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने रविवार को टोक्यो में अगले महीने शुरू होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भारत की अंतिम 19 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी। इस टीम में 14 पुरुष और 5 महिला एथलीट शामिल हैं, जो 15 अलग-अलग स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेंगे। भारत की सबसे बड़ी पदक उम्मीद एक बार फिर भाला फेंक विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा होंगे, जो डिफेंडिंग चैंपियन होने के नाते वाइल्ड कार्ड एंट्री से सीधे क्वालीफाई हुए हैं। उनके अलावा तीन और भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी–सचिन यादव, यश वीर सिंह और रोहित यादव–भी मैदान में उतरेंगे।

तीन एथलीट्स ने सीधे एंट्री स्टैंडर्ड पार कर क्वालीफाई किया है–गुलवीर सिंह (5000 मीटर), प्रवीण चित्रावल (ट्रिपल जंप) और पारुल चौधरी (3000 मीटर स्टीपलचेज)। गुलवीर 10,000 मीटर दौड़ में भी हिस्सा लेंगे, वहीं मिडिल डिस्टेंस धाविका पूजा 800 मीटर और 1500 मीटर दोनों स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेंगी। हालांकि, अविनाश साबले, नंदिनी आगरसरा और अक्षदीप सिंह ने क्वालीफाई किया था लेकिन मेडिकल कारणों से उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। एएफआई के मुख्य कोच राधाकृष्णन नायर ने बताया कि 4 से 9 सितंबर तक टोक्यो में प्री-कम्पटीशन ट्रेनिंग कैंप होगा।

टेनिस प्रीमियर लीग का सातवां सीजन 9 दिसंबर से, अहमदाबाद करेगा मेजबानी

मुंबई, एजेंसी। ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन (एआईटीए) के तत्वावधान में भारत की एकमात्र प्रोफेशनल टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) अब अपने बहुप्रतीक्षित सातवें सीजन के लिए तैयार है। यह सीजन 9 से 14 दिसंबर तक गुजरात यूनिवर्सिटी टेनिस स्टेडियम, अहमदाबाद में खेला जाएगा। पहली बार महाराष्ट्र से बाहर होने वाला यह सीजन लीग की यात्रा का नया अध्याय साबित होगा। इसी के साथ टीपीएल भारत की चौथी ऐसी स्पोर्ट्स लीग बन गई है, जिसने लगातार सातवें सीजन का माइलस्टोन हासिल किया है।

इस बार लीग में आठ फ्रेंचाइजी हिस्सा लेंगी, जिन्हें लिएंडर पेस, सानिया मिर्जा, महेश भूपति, रकुल प्रीत सिंह और सोनाली बेंद्रे जैसे दिग्गजों का समर्थन प्राप्त है। टूर्नामेंट में एटीपी रैंकिंग 30 से 50 के बीच के इंटरनेशनल टेनिस स्टार्स कोर्ट पर उतरेंगे। भारत की ओर से दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना सहित देश के शीर्ष खिलाड़ी मैदान में दिखाई देंगे। टीपीएल अपने अनोखे 25-पॉइंट फॉर्मेट के लिए जानी जाती है, जिसने इसे तेज़-तर्रार और रोमांचक खेल का नया अनुभव देने वाली लीग बना दिया है।

तेजी से उभरते खेल केंद्र के रूप में अहमदाबाद इस आयोजन के लिए आदर्श मंच साबित होगा। बीते एक साल में टीपीएल ने गुजरात स्टेट टेनिस एसोसिएशन के साथ मिलकर विभिन्न आयु वर्गों की प्रतियोगिताएं आयोजित की हैं और रेस टू गोल्ड स्कॉलरशिप के माध्यम से युवा खिलाड़ियों को सहयोग भी दिया है।

टीपीएल के सह-संस्थापक कुणाल ठक्कर ने कहा कि हम पहली बार गुजरात में टीपीएल लेकर आ रहे हैं। शहर की ऊर्जा, बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर और खेलों के प्रति जुनून इसे मेजबानी के लिए आदर्श बनाता है। सातवां सीजन अहमदाबाद के दर्शकों को विश्व स्तरीय टेनिस का शानदार अनुभव देगा। सह-संस्थापक मृणाल जैन ने जोड़ा कि गुजरात यूनिवर्सिटी टेनिस स्टेडियम शानदार सुविधाओं से लैस है। अहमदाबाद जैसे नए बाज़ारों में विस्तार से हमें देशभर के प्रशंसकों तक टॉप-लेवल टेनिस पहुंचाने का मौका मिलेगा। अब कार्यकारिणी के सामने भी अंतरर्राष्ट्रीय स्तर के मैच कराना चुनौती भरा होगा।

गुजरात स्टेट टेनिस एसोसिएशन के सचिव श्रिमल भट्ट ने कहा कि गुजरात के इतिहास में पहली बार 30 से 50 रैंक वाले शीर्ष एटीपी खिलाड़ी यहां खेलने आ रहे हैं। यह राज्य में टेनिस को नई ऊंचाई देगा। ग्रासरूट स्तर पर प्रतिभा को निखारने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टेनिस प्रदर्शित करने के अनूठे मॉडल के कारण टीपीएल खास पहचान रखती है। अब तक 20 से अधिक शहरों में 400 से ज्यादा टूर्नामेंट आयोजित कर लीग ने टेनिस को देशभर में नई गति दी है। 10 सितंबर को सभी खिलाड़ी आधिकारिक होटल में शिफ्ट होंगे। नीरज चोपड़ा 5 सितंबर को सीधे चेक गणराज्य से टीम से जुड़ेंगे।

बीजापुर जिले के 16 संकुल संगठन में दीदी के गोठ का प्रसारण

बीजापुर, एजेंसी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अन्तगत रेडियो कार्यक्रम दीदी के गोठ का प्रसारण बीजापुर जिला पंचायत सभाकक्ष में किया गया। कलेक्टर संबित मिश्रा के मार्गदर्शन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नम्रता चैबे के निर्देशन में जिले भर में एस एच जी की अधिक से अधिक महिलाओं को प्रसारण से जोड़ने हेतु तैयारियां किं गई। जिला स्तर के प्रसारण में जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा सहित समूह की महिलाएँ, अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए चारों जनपद पंचायतों में भी कार्यक्रम के प्रसारण की व्यवस्था की गई। जिले में स्व सहायता समूह सी जुड़ी दीदियों ने अन्य जिले की दीदियों की सफलता की कहानी सुनी और कार्यक्रम की तारीफ की। रेडियो प्रसारण कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चैहान, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा का शुभकामना संदेश के साथ बिहान योजना के दीदियों की कहानी उन्हीं की जुबानी सुनाई गई। जिसमें नारायणपुर की दीदी का कहानी का प्रसारण किया गया। जिले के 16 संकुल संगठन में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला स्तर पर उपसंचालक पंचायत हिमांशु साहू, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री कल्पना समेत समूह की दीदियाँ एवं कर्मचारी उपस्थित रहीं।

श्रमिकों के पंजीयन और योजनाओं के आवेदन के लिए मोबाइल कैंप का आयोजन

महासमुंद, एजेंसी। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन मंस जिले में संगठित और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के पंजीयन नवीनीकरण और योजनाओं के आवेदन एवं निराकरण के लिए मोबाइल कैंप का आयोजन किया जा रहा है। श्रम पदाधिकारी ने बताया कि इन कैंपों का आयोजन विकासखंडवार अलग अलग तिथियों पर किया जाएगा। पंजीयन के लिए आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड, बैंक पासबुक, मोबाइल नंबर एवं असंगठित कर्मकार के पंजीयन हेतु आधार कार्ड, बैंक पासबुक, मोबाइल नंबर एवं आय प्रमाण पत्र साथ लाएं। इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, सरपंच एवं सचिव को निर्देशित किया गया है कि वे ग्राम पंचायतों में मुनादी कराएं, ताकि सभी श्रमिकों को इस कैंप की जानकारी दी जा सके। मोबाइल कैंप का आयोजन जिले में 5 सितम्बर से 15 अक्टूबर 2025 तक किया जाएगा। जिसमें सरायपाली विकासखण्ड में 05 सितंबर को ग्राम कनकेवा में, 12 सितंबर को राफेल, 19 सितंबर को कुसमीसरार, 26 सितंबर को बरिहापाली, 06 अक्टूबर को बैदपाली, 10 अक्टूबर को अर्जुन्दा एवं 15 अक्टूबर को रूढ़ा में शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार पिथौरा विकासखण्ड अंतर्गत 8 सितंबर को धनोरा में, 15 सितंबर को बरेकेलखुर्द, 22 सितंबर को कसीबहरा, 29 सितंबर को पिलवापाली, 7 अक्टूबर को अरंड एवं 13 अक्टूबर को छिंदौली में, बसना विकासखण्ड अंतर्गत 9 सितंबर को आमापाली में, 16 सितंबर को खरोरा, 23 सितंबर को परसकोल, 30 सितंबर को भूकेल, 8 अक्टूबर को चिमरकेल, 13 अक्टूबर को कायतपाली एवं 15 अक्टूबर को बिटांगीपाली में कैंप का आयोजन किया जाएगा। इसी तरह बागबाहरा विकासखण्ड अंतर्गत 10 सितंबर को मोंगरापाली, 17 सितंबर को डोंगरगांव, 24 सितंबर को खैरटखुर्द, 01 अक्टूबर को कलमीदादर, 9 अक्टूबर को तुपकबोरा, 14 अक्टूबर को गांजर में, महासमुंद विकासखण्ड अंतर्गत 11 सितंबर को उमरदा में, 18 सितंबर को सोरिद, 25 सितंबर को कौन्दकेरा, 3 अक्टूबर को जामली, 10 अक्टूबर को साराडीह एवं 14 अक्टूबर को बकमा में मोबाईल कैंप का आयोजन किया जाएगा।

'दीदी के गोठ' रेडियो कार्यक्रम से महिलाओं को मिलेगी आत्मनिर्भरता की राह

सूरजपुर, एजेंसी। ग्रामीण महिलाओं को शासन की योजनाओं से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत 'दीदी के गोठ' रेडियो कार्यक्रम की शुरुआत की गई। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन जनपद पंचायत सूरजपुर के सभाकक्ष में हुआ, जिसमें जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले विशेष रूप से शामिल हुए। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के नोडल अधिकारी संतोष शर्मा, जनपद अध्यक्ष-उपाध्यक्ष, जिला पंचायत हरूरू से दिलीप कुमार एक्का, मो. नसीम, क्षरू माधुरी भंडारी, संकुल संगठन के पदाधिकारी, जनपद स्टाफ, पीआरपी, कैडर एवं बड़ी संख्या में स्व-सहायता समूहों की दीदियां मौजूद थीं।इसके अलावा यह कार्यक्रम जिले के सभी विकासखंडों में भी चयनित स्थानों पर आयोजित किया गया। जिले के 24 संकुल स्तरीय संगठन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री ने अपने संदेश में कहा कि 'दीदी के गोठ' जैसी पहल महिलाओं की आवाज़ को हर घर तक पहुँचाएगी। उन्होंने बताया कि बिहान योजना ने छत्तीसगढ़ की हजारों महिलाओं के जीवन को बदल दिया है, जिनमें कई 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं। जिला पंचायत सीईओ श्री पाटले ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 'दीदी के गोठ' का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को शासन की योजनाओं से जोड़ना, उन्हें स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और आत्मनिर्भरता की राह दिखाना है। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों की महिलाएँ अपने परिश्रम से परिवार ही नहीं, पूरे समाज की दिशा बदल रही हैं।

इस रेडियो कार्यक्रम में स्व-सहायता समूहों की सफल महिलाओं की कहानियाँ प्रसारित की जा रही हैं, जिन्होंने कठिनाइयों को पार कर आर्थिक मजबूती और सामाजिक पहचान हासिल की है। इन प्रेरणादायी कहानियों से अन्य महिलाओं को भी नई ऊर्जा और हौसला मिलेगा तथा वे आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होंगी। उल्लेखनीय है कि 'दीदी के गोठ' रेडियो प्रसारण से अब हर गाँव और हर घर तक सफल दीदियों की आवाज़ पहुंच सकेगी , जो ग्रामीण महिलाओं के लिए हौसला और ऊर्जा का स्रोत बनेगी।

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में रेड रिबन उन्मुखीकरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

सूरजपुर, एजेंसी। शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में रेड रिबन क्लब के तत्वाधान में दिनांक गत दिवस रेड रिबन उन्मुखीकरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रोमिला खेस्स हॉर्टिकल्चर एवं रिसर्च स्टेशन महाविद्यालय सिलसिली, सूरजपुर तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. शुभी सिंह, डॉ. ममता, एवं डॉ. विवेक कुमार की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों को तिलक एवं रेड रिबन बैच लगाकर हुआ। तत्पश्चात मां सरस्वती की छायाचित्र पर पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया। रेड रिबन क्लब की नोडल एवं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी शालिनी शांता कुजूर सहायक प्राध्यापक द्वारा रेड रिबन क्लब की गतिविधियों एवं उदेश्यों - युवाओं में जागरूकता फैलाना, समाज को स्वस्थ एवं सशक्त बनाने हेतु प्रयास की जानकारी प्रदान की गई। मुख्य वक्ता डॉ. रोमिला खेस्स ने छात्र-छात्राओं को एचआईवी/ एड्स के कारणों, बचाव के उपाय एवं संक्रमित होने की स्थिति में अपनाई जाने वाली जीवन शैली पर विस्तार पूर्वक मार्गदर्शन किया। उन्होंने संदेश दिया कि है prevention is better than cure कार्यक्रम के समापन अवसर पर अंजना सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी ने छात्र-छात्राओं को निर्देशित किया कि वे प्राप्त ज्ञान का प्रचार प्रसार अपने परिवार एवं समाज में करें। अंत में उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार प्रकट किया गया। कार्यक्रम पश्चात सभी के

विभिन्न जगहों पर सुनी गई दीदी के गोठ रेडियो कार्यक्रम

सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग भीम सिंह ने श्यामनगर में समूह की दीदियों के साथ बैठकर सुना

गरियाबंद, एजेंसी। महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में नई पहल दीदी के गोठ रेडियो कार्यक्रम आज प्रदेश भर में सम्पन्न हुई। इस रेडियो कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं ने अपनी सफलता की कहानी सुनाई। साथ ही अन्य महिलाओं को आगे बढ़ने और सफलता की राह अपनाने के लिए प्रेरित किया। आकाशवाणी के माध्यम से दीदी के गो रेडियो कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया जिले में विभिन्न जगहों पर लोगों ने दीदी के गोठ कार्यक्रम को सुना। सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग भीम सिंह ने भी जिला प्रवास के दौरान श्याम नगर में शुभ सवेरा संकुल स्तरीय संगठन स्व सहायता समूह की महिलाओं के साथ दीदी के गोठ रेडियो कार्यक्रम का श्रवण किया। इसके अलावा जिला पंचायत सभा कक्ष में भी समूह की महिलाओं ने दीदी के गोठ कार्यक्रम को सुना तथा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हुए। श्याम नगर में दीदी के गोठ कार्यक्रम श्रवण के

दौरान जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में सीईओ जनपद पंचायत स्वप्निल ध्रुव, डीपीएम रमेश वर्मा, पीआरपी, संकुल पदाधिकारी, कैडर्स, समूह सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस दौरान समूह की दीदियो ने बिहान से उनके जीवन में आए बदलाव की कहानी एवं लखपति दीदी के द्वारा स्वयं की सफलता की कहानी का वाचन किया गया द्य जिस पर सचिव भीम सिंह द्वारा प्रसन्नता व्यक्त करते हुए महिलाओं को बधाई दी द्य कार्यक्रम उपरांत सचिव श्री सिंह द्वारा राज्यपाल गोद ग्राम बिजली का भ्रमण कर विकास कार्यों में तेजी लाने व गांव के संपूर्ण विकास को योजनाबद्ध तरीके से समय सीमा में क्रियान्वित करने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि 'दीदी के गोठ' रेडियो कार्यक्रम के पहल से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सुशासन की सरकार ने छत्तीसगढ़ की ग्रामीण महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम बढ़ाया है।

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत आज तैयार विशेष रेडियो कार्यक्रम दीदी के गोठ का शुभारंभ हुआ। यह कार्यक्रम आकाशवाणी रायपुर केंद्र सहित प्रदेश के सभी आकाशवाणी केंद्रों से एक साथ प्रसारित किया गया। साथ ही इसकी लाइव स्ट्रीमिंग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी लोग जुड़े। जिला स्तर पर रेडियो कार्यक्रम दीदी के गोठ कार्यक्रम अंतर्गत बिहान के दीदियों की कहानी उन्हीं के जुबानी सुनाया गया। इस अवसर पर , बिहान की दीदियां कार्यक्रम में सम्मिलित होकर रेडियो प्रसारण को सुना।

कार्यक्रम के इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भारत सरकार के केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री तथा राज्य के उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा द्वारा ग्रामीण महिलाओं के नाम विशेष संदेश और प्रेरणादायी शुभकामनाएँ प्रसारित की गई। दीदी के गोठ का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण अंचलों की महिलाओं को शासन की विभिन्न योजनाओं से जोड़ना, उन्हें स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना तथा आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की ओर अग्रसर करना है। इस कार्यक्रम में स्व-सहायता समूहों की सफल महिलाओं की कहानियाँ सुनाई गई। कैसे उन्होंने संघर्ष और कठिनाइयों को पार कर अपनी मेहनत और आत्मविश्वास से न सिर्फ़ आर्थिक रूप से मज़बूती हासिल की बल्कि समाज में भी एक नई पहचान बनाई। आज छत्तीसगढ़ की लाखों महिलाएँ लखपति दीदी बन चुकी हैं। उनका जीवन बिहान योजना से सकारात्मक रूप से बदला है। इनकी प्रेरणादायी कहानियाँ रेडियो की आवाज़ के माध्यम से हर गाँव और हर घर तक पहुँचेंगी, ताकि दूसरी महिलाएँ भी आत्मनिर्भरता की राह पकड़ सकें।

सड़क सुरक्षा सप्ताह पर जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई संपन्न, नव्या गुप्ता ने हासिल की प्रथम स्थान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी, (निप्र)। सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी विद्यालय मनेंद्रगढ़ में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में विकासखंड स्तर पर चयनित छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और सड़क सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। निर्णायकों द्वारा परिणाम घोषित किए गए, जिसमें प्रथम स्थान नव्या गुप्ता (वीएसएसएन विद्यालय भरतपुर), द्वितीय स्थान शिवेंद्र तिवारी (सेजेस भरतपुर) तथा तृतीय स्थान साक्षी सिंह (शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेलबहरा) को प्रदान

किया गया। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने सड़क दुर्घटनाओं की भयावहता पर प्रकाश डालते हुए मृत्यु दर के आंकड़े प्रस्तुत किए और दुर्घटनाओं में कमी लाने के उपायों पर विस्तार से सुझाव दिए। उन्होंने सड़कों पर बैठे आवारा पशुओं, जगह-जगह गड्ढों और यातायात नियमों की अनदेखी जैसी समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया तथा दुर्घटना पीड़ितों को बचाने के लिए जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। प्रतियोगिता में विजेताओं को सम्मानित करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त छात्रा को 7000 रुपए, द्वितीय स्थान को 5000 रूपये। और तृतीय स्थान को 3000 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई, वहीं सांत्वना पुरस्कार स्वरूप प्रत्येक प्रतिभागी छात्र-छात्रा को 2000 रुपए का चेक दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डिप्टी कलेक्टर इंदिरा मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी. मिरे, पुष्कर तिवारी, अनीता फरमानिया, अभिषेक पांडे, नीलम दुबे, मधुमिता चौधरी, रामाश्रय शर्मा, डॉ. विनोद पांडेय, द्वारिका मिश्रा और सूर्योदय सिंह सहित अनेक शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के समापन अवसर पर नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत डिप्टी कलेक्टर इंदिरा मिश्रा ने उपस्थित सभी लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई।

धरती आबा अभियान से जनजातीय गांवों में नयी ऊर्जा

बीजापुर, एजेंसी। जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान DA-JG के अंतर्गत आदि कर्मयोगी अभियान 2025 के तहत जिला बीजापुर में 28 से 30 अगस्त तक तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रक्रिया प्रयोगशाला कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ नम्रता चैबे तथा नोडल अधिकारी देवेंद्र सिंह, सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर मिश्रा ने अभियान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पहल केवल योजनाओं के क्रियान्वयन भर तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य जनजातीय गांवों में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ाकर आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की दिशा में ठोस विजन तैयार करना है। प्रयोगशाला में जिले के चारों जनपदों से शिक्षा, स्वास्थ्य, वन, पंचायत, ग्रामीण विकास एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। ब्लॉक स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण देकर उन्हें आदि कर्मयोगी और आदि सहयोगी की भूमिका में तैयार किया गया। ये प्रशिक्षक आगे गांव-गांव में जाकर आदि कर्मयोगी साथियों को प्रशिक्षित करेंगे। समापन अवसर पर ट्राईफेड, नई दिल्ली के असिस्टेंट मैनेजर वी.के. तिवारी ने जनजातीय समुदाय की सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण में भागीदारी की अहम भूमिका पर विस्तार से व्याख्यान दिया।

कार्य में लापरवाही पर पटवारी को नोटिस जारी

बलौदाबाजार, एजेंसी। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देशानुसार डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं फार्मर रजिस्ट्री के कार्य को बहुत ही संजीदगी से लिया जा रहा है। इस कार्य में लापरवाही बरतने पर पटवारी को नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर जवाब मांगा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, तहसील सिमगा के पटवारी सौरभ अग्रवाल अनेक निर्देश के बावजूद डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं फार्मर रजिस्ट्री कार्य में रूचि नहीं लिया जा रहा था जिससे अनुभाग की प्रगति प्रभावित हो रही थी। इस कारण एसडीएम सिमगा द्वारा पटवारी सौरभ अग्रवाल को नोटिस जारी कर तीन दिवस के भीतर जवाब प्रस्तुत करने कहा गया है।

बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए जिला प्रशासन संचालित कर रहा हरिक उदिम परियोजना

जगदलपुर, एजेंसी। बस्तर जिला प्रशासन ने तितली संघरक्षिणी कार्यक्रम के साथ मिलकर हरिक उदिम नामक एक महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू की है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को सशक्त बनाना है ताकि वे बस्तर के छोटे बच्चों के लिए बेहतर देखभाल और शिक्षा सुनिश्चित कर सकें। ?यह परियोजना आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के कौशल को बढ़ाकर बच्चों के प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं विकास को बेहतर बनाने पर केंद्रित है। इसमें 240 प्रतिभागी शामिल हैं, जिनमें 120 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और 120 सहायिकाएँ हैं, जो बस्तर के सभी 7 प्रशासनिक ब्लॉकों से हैं।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को प्रारंभिक बाल्यावस्था देख भाल एवं शिक्षा पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक देखभाल और शिक्षा के तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। इसके साथ ही ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस के सम्बन्ध में भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसके

अंतर्गत समुदाय में स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से समुदाय के साथ प्रभावी ढंग से काम करने के लिए तैयार किया जा रहा है।

जिला प्रशासन ने इस बात पर जोर दिया है कि हरिक उदिम÷ परियोजना केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि बस्तर के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल के माध्यम से, एक सशक्त और ज्ञानवान कार्यबल का निर्माण किया जा रहा है, जो आने वाली पीढ़ियों की नींव को मजबूत करेगा। इस सफल प्रशिक्षण को एक नई शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है, जिससे बस्तर में स्वस्थ समुदाय के विकास की उम्मीद है।

जिला मुख्यालय में निकाली गई साइकिल रैली, सांसद चिंतामणि महराज हुए शामिल

बलरामपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर रविवार को आयोजित सांसद खेल महोत्सव के समापन अवसर पर एवं फिट इंडिया के तहत मोर खेल मोर गौरव संडे ऑन साइकिल रैली आयोजित की गई। साइकिल रैली में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, कलेक्टर राजेंद्र कटारा, पुलिस अधीक्षक वैभव बेंकर रमनलाल सहित स्कूली बच्चों ने भाग लिया। फिटनेस और खेलों को बढ़ावा देने के संदेश के साथ फिट इंडिया साइकिल रैली निकाली गई। जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली विश्राम गृह से शुरू होकर चौक-चौराहे से होते हुए सेजेस हिंदी माध्यम स्कूल खेल मैदान तक पहुंची। सांसद महाराज ने साइकिल रैली का नेतृत्व करते हुए साइकिल चलाकर युवाओं का उत्साह बढ़ाया। इस दौरान सभी ने स्वस्थ रहने और आगे बढ़ने का संदेश दिया। रैली में अलग-अलग आयु वर्ग के लोग मौजूद रहे। तत्पश्चात शासकीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट (हिन्दी माध्यम) विद्यालय बलरामपुर के खेल मैदान में राष्ट्रीय

खेल दिवस के समापन अवसर पर वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सांसद महाराज ने सर्विस कर खेल का शुरुआत की।

इस अवसर पर सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हॉकी के जादूगर स्वर्गीय मेजर ध्यानचंद के जयंती पर प्रतिवर्ष राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर सासंद खेल महोत्सव मनाया गया और खेल महोत्सव के माध्यम से प्राचीन खेलों को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि खेल मानव जीवन का अभिन्न अंग है। खेल प्रतिभा केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम ही नहीं बल्कि मित्रतापूर्ण भावनाओं को प्रोत्साहित करने का जरिया भी है। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से अनुशासन, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। आज खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विजेता टीमों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए अभ्यास ही सफलता की कुंजी है, इसलिए खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास करना चाहिए। उन्होंने स्कूलों में वॉलीबॉल और फुटबॉल जैसे खेलों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। साथ ही कहा कि खेल क्षेत्र में करियर के लिए बहुत से अवसर हैं, इसके लिए निरंतर मेहनत और समर्पण की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित जिलास्तरीय खेल प्रतियोगिता में रस्साकसी बालक वर्ग में शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर विजेता, पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास बलरामपुर उपविजेता, हायर सेकेंडरी स्तर में सेजस अंग्रेजी माध्यम बलरामपुर विजेता, संत जोसेफ उच्चतर माध्यमिक दर्रीडीह उपविजेता, बालिका वर्ग में शासकीय कन्या महाविद्यालय बलरामपुर विजेता, शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर उपविजेता रही। इसी प्रकार कबड्डी पुरुष वर्ग में ग्रामीण टीम भनौरा विजेता, पोस्ट मैट्रिक छात्रावास बलरामपुर उपविजेता, कबड्डी महिला वर्ग में शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर विजेता, शासकीय कन्या महाविद्यालय बलरामपुर उपविजेता, हायर सेकेंडरी स्तर कबड्डी प्रतियोगिता बालक में सेजस अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बलरामपुर विजेता, संत जोसेफ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उपविजेता, हायर सेकेंडरी स्तर वॉलीबॉल प्रतियोगिता में संत जोसेफ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दर्रीडीह विजेता, सेजस अंग्रेजी माध्यम बलरामपुर उपविजेता, पुरुष वर्ग बॉलीवाल प्रतियोगिता में टाउन टीम बलरामपुर विजेता, मरियमपारा बलरामपुर उपविजेता, वॉलीबॉल महिला वर्ग में शासकीय कन्या महाविद्यालय बलरामपुर विजेता, महाविद्यालय बलरामपुर उपविजेता, वाद-विवाद प्रतियोगिता में सेजस हिंदी माध्यम विद्यालय बलरामपुर प्रथम, सेजस जरहाडीह द्वितीय, वाग्देवी पब्लिक स्कूल बलरामपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजेता एवं उपविजेता टीम को सांसद चिन्तामणि महाराज ने शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा